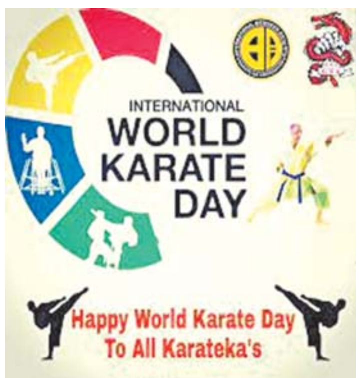

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 296/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 17 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

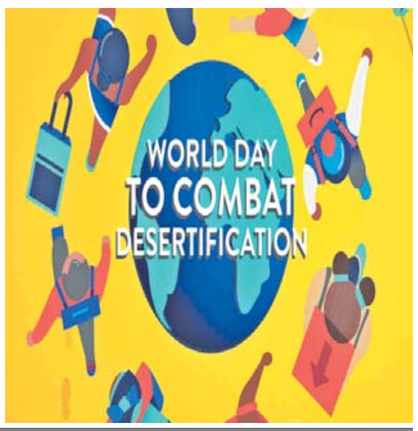

सांध्यप्रकाश विशेष

अभी से बता दो, कलेक्टर, एसपी बदलना है तो बदल देंगे: चौहान

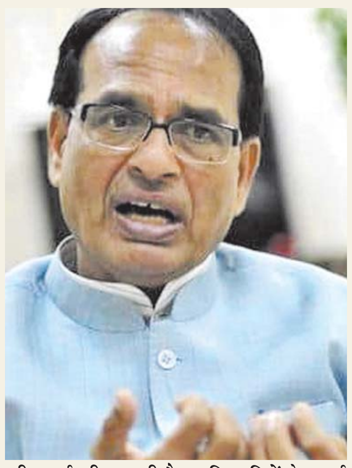

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सरकार होगी तो शिकायतें होंगी और जब सरकार ही नहीं रहेगी तो शिकायतें किससे करेंगे? इसलिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि शिकायतें खत्म कर सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं। सरकार ने जो योजनाएं बनाकर लागू की हैं, उसका प्रचार प्रसार करने में कोई कमी न रहे और किसी अधिकारी द्वारा अगर योजना लागू करने या फायदा देने में गलती की जा रही है तो उसकी जानकारी संगठन और सरकार को दें, उस पर एक्शन लिया जाएगा।

सीएम निवास में प्रदेश अध्यक्ष भाजपा वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की मौजूदगी में हुई जिलों की कोर कमेटियों की बैठक में सीएम चौहान ने ये बातें कहीं। ग्वालियर चंबल और महाकौशल संभाग के अधिकांश जिलों की कोर कमेटियों की बैठक लेने के बाद सीएम चौहान और प्रदेश अध्यक्ष शर्मा शुक्रवार को रीवा, सतना, सीधी, शहडोल, भिंड, श्योपुर, दतिया जिलों के कोर कमेटियों के पदाधिकारियों, सांसद, विधायकों के साथ जिलावार संवाद कर रहे हैं। संवाद के दौरान जिलों में योजनाओं के फीडबैक के साथ संगठन के कार्यक्रमों के क्रियान्वय पर चर्चा की जा रही है।

कोर कमेटियों की बैठक के दौरान पदाधिकारियों से अफसरों की वर्किंग के बारे में भी चर्चा की जा रही है। अधिकारियों के कार्य व्यवहार को लेकर सत्ता और संगठन ने पदाधिकारियों से कहा है कि अगर किसी कलेक्टर, एसपी, डीएफओ, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, एएसपी, सीएसपी, डीएसपी या अन्य अधिकारी को बदलना है तो अभी से बता दो। तीन साल के दायरे वाले तो हटेंगे ही जो तीन साल की सीमा में नहीं आ रहे हैं, उन्हें भी आयोग की आचार संहिता लागू होने के पहले हटाया जा सकता है लेकिन सबको मिलकर पूरी ताकत से पार्टी की जीत के लिए काम करना होगा।

व्यापारी ने फांसी लगाई, सुसाइड नोट में पुलिस वालों के नाम लिखे

इंदौर। गुरुवार रात एक व्यापारी राजीव शर्मा ने पुलिस की प्रताड़ना और बार-बार पैसे लेने से परेशान फांसी लगाकर जान दे दी। मरने से पहले पांच पन्ने के सुसाइड नोट में व्यापारी ने एक एसआई और एसटीएफ में पदस्थ एक सिपाही समेत कई लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया। सुसाइड नोट में लिखा कि उसे झूठे केस में फंसाया गया और पुलिसवालों ने उससे लाखों रुपए वसूले। मरने से पहले भी उससे 15 हजार रूपए छीन लिए। व्यापारी ने अपनी पत्नी निशा और दोनों बच्चों के लिए भी कई भावुक बातें लिख गए।

व्यापारी ने अपने 5 पन्ने के नोट में हर बात का खुलासा किया है। लिखा कि इन पुलिसवालों की डिमांड इतनी बढ़ गई थी, कि वे उससे पत्नी के जेवर तक मांग रहे थे। व्यापारी ने भंवरकुआं इलाके की द ग्रैंड होटल में गुरुवार रात सुसाइड कर लिया। भंवरकुआं पुलिस ने बताया कि रायल बंगलों में रहने वाले राजीव पुत्र सुधीर प्रसाद शर्मा ने सुसाइड कर लिया।

पुलिस को जो सुसाइड नोट मिला, उसमें पुलिस एसआई महेश चौहान और एसटीएफ के सिपाही प्रशांत परिहार के नाम लिखे हैं। जिस बिल्डिंग में राजीव का शोरूम था, उसके मालिक अशोक गोयल और दुकान के कर्मचारी विकास जड़िया और उसकी मां नर्मदा बाई समेत कई अन्य लोगों के नाम लिखे हैं। राजीव ने सुसाइड नोट में लिखा कि वह गुरुवार दोपहर 15 हजार रुपए लेकर घर से निकला था। उसे भी एसटीएफ के सिपाही प्रशांत परिहार के साथी ने रास्ते में छीन लिए। इसके बाद वह होटल में आया और फांसी लगा ली। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजीव शर्मा ने सुसाइड नोट में खुलासा किया कि इन लोगों की धमकी के कारण मैं 1 लाख 90 हजार दे चुका हूं। आज भी 15 हजार रुपए जो मुझे होटल में देना थे, वह भी ले लिए। ज और कितना परेशान होउं। मैं अब सुसाइड कर रहा हूं। प्रशांत इतना गिर चुका है कि उसे आदमी की औलाद नहीं कह सकते। प्रशासन से निवेदन है कि उन्हें उचित सजा मिले। मेरा सारा सामान घर वालों को दिया जाए। इन लोगों से मेरी पत्नी और बच्चों को सुरक्षा दी जाए। मेरे परिवार को परेशान नहीं किया जाए।

पूर्व डीजीपी महिला आईपीएस के यौन उत्पीड़न में दोषी, 3 साल की सजा

चेन्नई। महिला आईपीएस अधिकारी का यौन उत्पीड़न करने के मामले में कोर्ट ने तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक राजेश दास को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने राजेश दास को तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई कोर्ट ने फरवरी 2021 में एक जूनियर अधिकारी द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राजेश दास पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। तमिलनाडु के विल्लुपुरम की एक अदालत ने एक पुरुष पुलिसकर्मी पर 500 का जुर्माना भी लगाया, जिसने शिकायत दर्ज होने से रोकने की कोशिश की थी।

महिला आईपीएस अधिकारी ने साल 2021 के फरवरी महीने में वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि अधिकारी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीसामी की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर यात्रा करते समय यौन उत्पीड़न किया। राज्य ने शिकायत की जांच के लिए 6 सदस्यीय समिति का गठन किया। इसके अलावा, शिकायत के बाद, जो 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले एक प्रमुख मुद्दा बन गया था। इस कारण एआईएडीएमके वह चुनाव हार गई थी। दास की जगह जयंत मुरली, सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी प्रभारी अतिरिक्त महानिदेशक को नियुक्त किया गया और अनिवार्य प्रतीक्षा के तहत रखा गया।

मद्रास हाई कोर्ट ने क्या कहा?

शिकायत दर्ज होने के महीनों बाद मद्रास उच्च न्यायालय ने विल्लुपुरम अदालत की न्यायिक क्षमता को चुनौती देने वाली राजेश दास की याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति पी वेलमुरुगन ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि उच्च न्यायालय ने विल्लुपुरम अदालत द्वारा इसी तरह की याचिका को खारिज करने के आदेश में कोई 'विकृतता' नहीं पाई गई।

राज्य सरकार ने दास को निलंबित कर दिया

साथ ही निचली अदालत को याचिकाकर्ता के प्रति पूर्वाग्रह नहीं करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने पहले भी इस घटना की आलोचना की और इसे चौंकाने वाली घटना बताया था। तमिलनाडु में अन्य महिला पुलिस अधिकारियों पर ऐसे प्रभाव से प्रभावित न होने की चेतावनी दी गई थी। उच्च न्यायालय की टिप्पणी के बाद राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक राजेश दास को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नीट परीक्षा क्लियर करने पर निखिल राठोर और दसवीं की परीक्षा 97 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण करने पर कुमारी अनुष्का चौहान को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री से दोनों विद्यार्थियों ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में भेंट की। उनके परिजन भी साथ थे। श्री चौहान ने दोनों विद्यार्थियों को कहा की लक्ष्य निर्धारित कर, अनुशासित रहते हुए, निरंतर परिश्रम ही सफलता का सूत्र है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य और सुखद व स्वस्थ जीवन की कामना की।

मणिपुर: थाने से हथियार लूटने की कोशिश, सुरक्षाबलों पर फायरिंग

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से जारी हिंसा अब भी जारी है। शुक्रवार रात 5 बड़ी अलग-अलग घटनाएं हुई। इंफाल पश्चिम के इरिंगबाम थाने पर सैकड़ों लोगों की भीड़ ने हथियार लूटने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षाबलों ने उन्हें खदेड़ दिया। इस दौरान भीड़ की ओर से फायरिंग भी की गई।

दूसरी घटना में भीड़ ने भाजपा के एक विधायक विश्वजीत के घर में आग लगाने की कोशिश की। इसे मणिपुर रैपिड एक्शन फोर्स की टीम ने नाकाम कर दिया। तीसरी घटना खोंगमन और सिंजेमाई की है। दोनों जगहों पर भीड़ ने बीजेपी ऑफिस पर हमला किया। हालांकि सेना के जवानों ने भीड़ को भगा दिया। चौथी घटना राजधानी इंफाल के पोरमपेट की है। भीड़ ने शुक्रवार देर रात भाजपा की महिला अध्यक्ष शारदा देवी के घर में तोड़फोड़ की कोशिश की। सुरक्षाबलों ने युवकों को खदेड़ दिया।

पांचवी घटना राजधानी इंफाल के पैलेस कंपाउंड की है। यहां करीब 1 हजार लोगों की भीड़ कंपाउंड को जलाने के लिए आई, लेकिन आरएएफ के जवानों ने आंसू गैस के गोले दागे और रबर की गोलियां चलाई, जिसके बाद भीड़ वहां से हटी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात बिष्णुपुर जिले के क्वाकटा और चुराचंदपुर जिले के कंगवई ऑटोमेटिक हथियारों से गोलियां चली हैं। सेना, असम राइफल्स और मणिपुर रैपिड एक्शन फोर्स ने राजधानी इंफाल में आधी रात तक संयुक्त मार्च किया।

राजस्थान में बिपरजॉय

सिरोही-बाड़मेर-जालोर में भारी बारिश

जयपुर। गुजरात के बाद तूफान बिपरजॉय का असर अब राजस्थान में दिख रहा है। यहां शनिवार सुबह से ही बाड़मेर, सिरोही, उदयपुर, जालोर, जोधपुर और नागौर में बारिश हो रही है। हवा 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान जालोर, सिरोही और बाड़मेर में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। मौसम विभाग ने बाड़मेर, जालोर, सिरोही

और पाली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, रेलवे ने बाड़मेर से होकर गुजरने वाली 14 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इसी तरह उदयपुर से दिल्ली और मुंबई जाने वाली दो फ्लाइट भी कैंसिल की गई हैं।

पाकिस्तान बॉर्डर से सटे बाड़मेर के 5 गांवों (बाखासर, सेड़वा चौहटन, रामसर, धोरीमना) के पांच हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। बिपरजॉय के असर से 80त्न राजस्थान में बादल छाए हैं। बीती रात चूरू के बीदासर में इस सिस्टम के कारण 76 मिमी (3 इंच) बरसात हुई। सिरोही के कई इलाकों में 62 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश बाड़मेर के सेड़वा और सिरोही के माउंट आबू में 5-5 इंच दर्ज की गई। इसके अलावा सिरोही में बीती रात से अब तक 27 मिमी यानी करीब एक इंच से ज्यादा पानी गिरा। वहीं, जोधपुर, जालोर, उदयपुर, बांसवाड़ा, अजमेर, भीलवाड़ा, बीकानेर, जैसलमेर, टोंक, राजसमंद समेत अन्य जिलों में भी 1 से लेकर 30 मिमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई। तूफान बिपरजॉय शुक्रवार रात राजस्थान पहुंचा।

केंद्रीय मंत्री तोमर का आह्वान, कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करें सभी देश

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बृहस्पतिवार को सभी देशों से कृषि क्षेत्र में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

कृषि मंत्रियों की तीन दिवसीय बैठक के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जी-20 राष्ट्रों के साथ मिलकर काम करने का एक उपयोगी मंच होगा। मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र में चुनौतियां केवल भारत की ही नहीं, बल्कि वैश्विक हैं। सभी देशों को मिलकर काम करना चाहिए। त्न20 जैसा समूह एक बहुत ही उपयोगी मंच है। उन्होंने कहा कि सभी देश मिलकर समकालीन चुनौतियों का समाधान खोजने में सफल होंगे।

सतपुड़ा आग: जांच समिति अपनी रिपोर्ट सोमवार को देगी

भोपाल। सतपुड़ा भवन में 12 जून को लगी आग की जाँच के लिए राज्य शासन द्वारा गठित जाँच समिति अपनी रिपोर्ट 19 जून सोमवार को मुख्यमंत्री को सौंपेगी। इस समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजौरा है। समिति के अन्य सदस्यों में प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग और एडीजी फायर हैं।

समिति द्वारा फ़ोरेंसिक जाँच की रिपोर्ट, विशेषज्ञों की समिति के प्रतिवेदन अपेक्षित होने से सोमवार 19 जून को जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की अनुमति राज्य शासन से प्राप्त की गयी है। जाँच समिति द्वारा अपना जाँच प्रतिवेदन 19 जून को दोपहर 2 बजे तक राज्य शासन को प्रस्तुत किया जाएगा।

खड़े डंपर में घुसी वीडियो कोच बस
ड्राइवर सहित तीन की मौत, 11 घायल

मुरैना। रात के अंधेरे में हाईवे पर खड़े डंपर ट्राले में तेज रफ्तार वीडियो कोच बस पीछे से जा घुसी। इस हादसे में बस ड्राइवर, एक सवारी और ट्राले के हेल्पर की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 11 सवारियां घायल हैं, जिनमें से दो की हालत नाजुक है। बीती रात यह हादसा मुरैना के देवपुरी बाबा मंदिर के पास नेशनल हाईवे 44 पर हुआ है।

ग्वालियर से दिल्ली जा रही वीडियो कोच बस रात 2 बजे के करीब मध्य प्रदेश और राजस्थान सीमा पर स्थित देवपुरी बाबा मंदिर के समीप ही पहुंची थी। देवपुरी मंदिर से लगभग 100 मीटर पहले हाईवे पर जनरेटर से भरा एक टोला खड़ा था। ट्राले की न तो पार्किंग डिपर जल रहे थे, नाही इंटीगेटर। रात के घने अंधेरे में बस ड्राइवर को हाईवे पर खड़ा यह ट्राले नहीं दिखा और तेज रफ्तार वीडियो कोच बस इस हैवी लोडेड टोला में पीछे से जा घुसी।

दुर्घटना इतनी भयानक थी, कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें फसे ड्राइवर 50 वर्षीय अमरेश त्रिपाठी, चौहान प्याऊ ग्वालियर को निकालने के लिए बस की बाडी काटनी पड़ी। ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा वीडियो कोच बस की केबिन में बैठे धौलपुर के पदावली गांव निवासी 35 वर्षीय महेश पुत्र मातादीन प्रजापति की भी दर्दनाक मौत हो गई। हैदराबाद से मजदूरी करके लौटा महेश प्रजापति कई महीने बाद अपने गांव लौट रहा था। इन दोनों के अलावा ट्रोला के हेल्पर शकील मोहम्मद की भी दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे में 11 सवारियां घायल हुई हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घायलों में दो की हालत बेहद नाजुक होने पर रात में ही ग्वालियर रेफर किया गया है। हादसे की जानकारी लगते ही एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान रात 2ः30 बजे के करीब घटनास्थल पर पहुंच गए।

घायल सवारियों ने बताया कि ग्वालियर से 20 किलोमीटर चलने के बाद बानमोर के पास बस से धुआं उठा। बानमोर में बस को रोक दिया

उज्जैन के परिवार की कार गुना में आगे चल रहे ट्रक में घुसी; पिता-पुत्र की मौत, 3 घायल

गुना में कार हादसे में पिता - पुत्र की मौत हो गई। घटना रुठियाई इलाके में नेशनल हाईवे-46 पर हुई। परिवार कानपुर से उज्जैन जा रहा था। कार आगे जा रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में 3 लोग घायल हुए हैं। घटना शनिवार सुबह 5.30 बजे की बताई जा रही है। उज्जैन का परिवार कानपुर में पारिवारिक कार्यक्रम में गया था। शुक्रवार रात सभी लौट रहे थे। उज्जैन के रहने वाले सुभाष सलूजा और उनके बेटे हरीश सलूजा की मौके पर ही मौत हो गई। सुभाष के बेटे अमित और पवन, सुभाष के भाई केवल सलूजा घायल हैं। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कार के आगे चल रहे ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

अब प्रदेश में अवैध की जगह कागजों में होंगी अनाधिकृत कॉलोनियां
कॉलोनियों को वैध करने में कानूनी पेंच न फंसे इसलिए अवैध शब्द हटाया

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने हाल ही में अवैध कालोनियों को वैध करने की घोषणा की है। 2018 के चुनाव से पहले भी 8 मई 2018 को ग्वालियर में सरकार ने घोषणा की थी कि प्रदेश की अवैध कालोनियों को वैध किया जाएगा। हालांकि 2019 के हाईकोर्ट के एक आर्डर से ये कॉलोनियां वैध नहीं हो पाई। हाल ही में सीएम शिवराज ने एक बार फिर अपनी घोषणा में अवैध कालोनियों को वैध करने के शब्द का इस्तेमाल किया हो, लेकिन 2019 की तरह फिर कोई कानूनी पेंच न फंस जाए इसलिए विभाग ने अवैध और वैध शब्द को ही हटा दिया है। प्रदेश में अब अवैध कालोनियों को अनाधिकृत और वैध को नियमितीकरण कहा जा रहा है। कुल मिलाकर प्रदेश में अब अवैध कालोनी नहीं है, बल्कि अनाधिकृत कॉलोनियां है। हालांकि यह तो आने वाला समय ही बता पाएगा कि सरकार के इस तरह के पेतरें से कितना फायदा हो पाएगा।

दिसंबर 2022 तक अवैध कॉलोनी को सरकार करेगी वैध- सीएम हाउस में 23 मई 2023 को आयोजित कार्यक्रम में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने अवैध कालोनियों को वैध करने की घोषणा की। इस दौरान सीएम शिवराज ने कहा कि अवैध ठहराने का निर्णय ही अवैध है, इस निर्णय को मैं समाप्त करता हूं। मध्यप्रदेश में दिसंबर 2022 तक की सारी अवैध कॉलोनियां वैध की जाती हैं। पहले दिसंबर 2016 तक निर्मित कॉलोनियों को वैध करने का निर्णय हुआ था, लेकिन मंत्री भूपेंद्र सिंह की मांग पर इसे संशोधित कर दिसंबर 2022 कर दिया गया।

6077 अवैध कालोनी बढ़कर होंगी 10 हजार के पार- दिसंबर 2016 तक प्रदेश में अवैध कालोनी 6077 थी। नगरीय प्रशासन विभाग अब दिसंबर 2022 तक की अवैध कालोनियों की जानकारी जुटा रहा है, लेकिन जानकारों के अनुसार प्रदेश में अवैध कालोनियों का आंकड़ा 10 हजार के पार जा सकता है। हालांकि ये आकड़ा अधिकृत नहीं है, लेकिन इससे इतना तो अंदाजा लगाया ही जा सकता है कि प्रदेश में किस बेखौफ तरीके से अवैध कालोनी का बाजार फल फूल रहा था।

अवैध कॉलोनी से ये हो रहे थे नुकसान- कॉलोनियों के अवैध ही रहने के कारण भवन निर्माण के लिए अनुमति नहीं मिल पा रही थी। दरअसल भवन निर्माण की अनुमति की प्रक्रिया को ही ऑनलाइन कर दिया गया है, जिसमें अनुमति के लिए आवेदन करने के लिए पहला ही ऑप्शन कॉलोनियों के वैध का आता है। यदि कॉलोनियां वैध नहीं हैं तो भवन निर्माण की अनुमति नहीं मिल पाती है। इसके अलावा अवैध कॉलोनी की प्रॉपर्टी के रेट भी बढ़ नहीं पाते थे, जिससे लोगों को नुकसान होता था।

कॉलोनी वैध हुई तो ये मिलेंगे फायदे- सीएम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में 23 मई 2023 को सीएम शिवराज ने कॉलोनी को वैध होने के बाद मिलने वाले फायदे भी गिनाए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से हम इन अवैध कॉलोनियों को वैध मानते हैं। अब आपको बिल्डिंग परमिशन, बैंक लोन की पात्रता मिल जाएगी। सभी कॉलोनियों में रहवासी संघ का गठन कराएं। सुविधाएं ठीक ढंग से देने में सरकार का सहयोग करें।

(शेष पेज 6 पर)

विधायक कृष्णा गौर ने डेढ़ करोड़ से बनने वाले संजीवनी क्लिनिक भवन का किया भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं गोविंदपुरा विधानसभा विधायक कृष्णा गौर ने जोन-16 के वार्ड 65,68,72,73 में एक-एक वार्ड 74 के दो स्थानों पर बनने वाले शासकीय संजीवनी क्लीनिक भवन का डेढ़ करोड़ की लागत से भूमि पूजन किया । कृष्णा गौर ने संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक क्लीनिक भवन की लागत 25-लाख है, प्रत्येक क्लीनिक में डॉक्टर, नर्स सहित अन्य स्टाफ उपलब्ध रहेंगे, क्लीनिक में 45 प्रकार की जांच, 120 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध रहेंगी । मजदूर, गरीब, मध्यमवर्ग के नागरिकों को दूर शासकीय अस्पताल जाना पड़ता था, अब वार्ड में ही संजीवनी क्लीनिक के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधित लाभ प्राप्त होगा, कृष्णा गौर ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया और कहा मुख्यमंत्रीके अथक प्रयास से प्रदेश का विकास एवं जनहित में अनेकों कार्य हो रहे है। कृष्णा गौर का प्रत्येक वार्ड में पार्टी पदाधिकारी एवं नागरिकों ने भव्य स्वागत किया ।कृष्णा गौर के साथ भानपुर मंडल अध्यक्ष निलेश गौर, इंद्रपुरी मंडल अध्यक्ष छोटू पंडित, पार्षद गण विकास पटेल, राजू राठौर, शकुन सिंह लोधी, उर्मिला मौर्य, शिरोमणि शर्मा, जिला मंत्री भीकम सिंह बघेल, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, मंडल महामंत्री गण सुबोध साहू, विमलेश कुमार, लवकुश यादव, राकेश राजपूत, विधायक प्रतिनिधि विनोद साहू, विधि प्रकोष्ठ मंडल संयोजक एडवोकेट कौशलेश पाठक, गुरु गोरखनाथ मंदिर के महंत पप्पू नाथ, जमीअत उलमा भोपाल जिला अध्यक्ष हाफ़िज़ इस्माईल बैग ने भूमि पूजन किया । कार्यक्रम में लक्ष्मी ठाकुर, नर्बदा प्रसाद सचान, गायत्री गायकवाड, हर्ष सिंह राजपूत, मुकेश ठाकुर, शिवदयाल मैथिल, रवि लोधी, कैलाश गौर, चंद्रप्रकाश गौर, कमलेश गंगेले, राहुल कुचबंदिया, रमा कुशवाहा, कैलाश सोनी, भागवती पटेल, देवेंद्र साहू, मुकेश बघेल, पूरन माली, शुभम कोरी, नारायण चंदेल, पुरुषोत्तम चौरसिया, किशनलाल चौरसिया, दीपक कुशवाह, अक्षयवर सिंह ठाकुर, पप्पू सूर्यवंशी, रामदयाल धाकड़, आकाश रैकवार, रीना धाकड़, ज्योति विश्वकर्मा, संतोषी विश्वकर्मा, दिव्या पटेल, आदिल सिद्दीकी, मो.सईद हाफ़िज़ अभिषेक माली, अमन ठाकुर, अभय यादव, हरिदेवी विश्वकर्मा, प्रीतम लोधी, मोहन साहू, श्रीनारायण दुबे, सुमित मैथिल, प्रदीप अहिरवार, सूरज लोधी, जगराम वर्मा, सुरेश, मलखान सिंह मीना, सविता ठाकुर, सुभाष पगारे, सुनीता राजपूत, प्रकाश सोनी, पारस बैरागी, मोहन चौकसे तथा अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डाहिरसेन की कुर्बानी, राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी : लाल सांई

पूज्य सिंधी पंचायत ने डाहिरसेन की 1311वीं कुर्बानी दिवस पर रखा कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा सिंधुपति सम्राट डाहिरसेन की 1311वीं कुर्बानी दिवस पूर्ण गरिमा के साथ संपन्न किया गया। सर्वप्रथम पंचायत महासचिव माधु चांदवानी ने आयोजित कार्यक्रम की पूरी रुपरेखा पेश की। पंचायत के सभागृह में मुख्य अतिथि वेदांत संत लाल सांई ने बताया कि महाराजा डाहिर सेन की कुर्बानी देश भक्ति की सदैव प्रेरणा देती रहेगी तथा प्रजा के लिए किए कल्याणकारी एवं नेक कार्यो को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी प्रेरणा जगाने पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा किए जा रहे कार्य निश्चित रुप से सराहनीय है। पंचायत अध्यक्ष साबू रीझवानी तथा वरिष्ठ साहित्यकार बल्लू चोइथानी के व्याख्यान ने समा बाधा। संत नरेश पारदासानी ने कहा कि देशभक्ति से भरपूर व्याख्यान राष्ट्र ओर युवा पीढी को सदैव जागृत करता रहेगा। रीझवानी ने अपने व्याख्यान में सम्राट डाहिर सेन को सूरवीर, धर्मवीर, कल्याणकारी महाराजा तथा युद्ध के क्षेत्र में महायोद्धा बताया व गांव गांव जाकर देशभक्ति की अतिरिक्त प्रेम, एकता, भाईचारा तथा सिंधु सभ्यता के गुणो को प्रेरणा देते रहते थे। वरिष्ठ साहित्यकार बल्लू चोइथानी ने अपनी प्रभावी रचनाओ में महायोद्धा डाहिर सेन के पूरे जीवन की बहादूरी, कुर्बानी, नेक कार्य तथा प्रजा के सुख सुविधा भरी रचनाएं पेश कर वाहवाही लूटी। पंचायत की ओर से वेदांत संत लाल सांई तथा वरिष्ठ साहित्यकार को शाल श्रीफल, यादगार मोमेन्टो भेंटकर सम्मानित किया गया।

51 बच्चों का जनेऊ संस्कार के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। पूज्य संत बाबा सुखरामदास मसंद (सुखझील) सेवा ट्रस्ट द्वारा विगत 6 वर्षों से बच्चों का जनेऊ संस्कार का आयोजन हो रहा है। इस साल भी साईं संजय देव मसंद के सानिध्य में पंडित जयकुमार शर्मा के द्वारा 51 बच्चों का जनेऊ संस्कार 18 जून को होगा। 2 दिवसीय कार्यक्रमो के तहत 17 जून को 11 बजे सुखझील दरबार मे सखी दिक्षा व आशीर्वाद समारोह शाम को 6 बजे चंचल चैराहे से स्वामी टेउराम आश्रम तक शोभायात्रा निकाली जाएगी शाम 7 बजे भजन संध्या सन्नी मूलचंदानी नवसारी द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। इस दौरान साई द्वारा आशीर्वाद वचन संगत को दिए जाएंगे 18 जून रविवार को आश्रम में सुबह 9 बजे बहराणा साहब से कार्यक्रम की शुरुआत होगी 11 बजे बच्चो के जनेऊ संस्कार व 1 बजे भंडारे का आयोजन किया गया है। सुखझील दरबार व स्वामी टेउराम आश्रम में होने वाले कार्यक्रमो को लेकर सेवाधारी तैयारियों में लगे हुए है।

हास्य पारिवारिक सिंधी नाटक की प्रस्तुति आज

संत हिरदाराम नगर। संत नगर की वीना कला एवं सेवा समिति द्वारा मजेदार एवं हास्य, पारिवारिक सिंधी नाटक दुनिया आहे दिल वारन जी का आयोजन 17 जून को शाम 6 बजे साधु वासवानी स्कूल में किया जाएगा। इस नाटक को युवा लेखक राकेश शेवानी द्वारा लिखा गया है एवं निर्देशक वरिष्ठ रंगकर्मी एवं सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक अशोक बुलाणी द्वारा किया गया है। समिति के अध्यक्ष राकेश शेवानी ने बताया कि कार्यकम का प्रारम्भ दीप प्रज्वलन से एवं युवा कलाकार रिदम असनानी की डांस एवं इष्टदेवता भगवान झूलेलाल की आराधना के साथ एक सिंधी नृत्य एन.डी. ग्रुप द्वारा पेश किया जाएगा। इस नाटक में मंच कलाकार गुल पहलाजणी, मीना पहलाजणी, विजय ज्ञानचंदाणी, ज्योति चावला, सरिता ख्याणी, राकेश शेवाणी, भावना जगवाणी, कल्पना चंदाणी, तन्मय वासवाणी, जानवी भावनाणी, मीता जैसवाणी, विकास दादलाणी एवं म्यूजिक उत्कर्ष जगवाणी और भी कई कलाकार भाग लेंगे।

संत नगर में पूर्व में जमा किए गए पट्टे पर कार्यवाही करने की मांग

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में पूर्व में भरे गए फार्म पर कार्यवाही कर पट्टे का वितरण करने की मांग की जा रही है। सांसद प्रतिनिधि दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशानुसार जिन लोगों ने दिसंबर 2020 तक अपने आवास का रहने का बिजली बिल या नगर निगम की संपत्ति कर या जो भी पुराना दस्तावेज हो उसको आवेदन पत्र के साथ धारणा अधिकार योजना के अंतर्गत लोक सेवा केंद्र में अपने आवास हेतु फार्म जमा किया था रूपए 140 के साथ संत नगर में एवं अन्य क्षेत्रों में भी आवेदन पत्रों पर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इस बात का काफी खेद है प्रशासनिक लापरवाही के चलते आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अब नए फार्म बांटने की बात आ रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के फार्म जमा हैं उन लोगों से दोबारा फार्म ना भरा जाए उन्हीं फार्म के आधार पर कार्यवाही की जाए।

वार्ड 15 को मिली बड़े पैमाने पर विकास कार्यों की सौगात, 1 करोड़ 69 लाख से होंगे विकास कार्य

भोपाल। महापौर मालती राय ने वार्ड क्रमांक 15 में लगभग 01 करोड़ 69 लाख रूपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 15 के अंतर्गत टीला जमालपुरा में दुर्गा मंदिर के पास आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सड़कों के डामरीकरण, नर्मदा जलप्रदाय परियोजना की पाईप लाईन बिछाने, सीमेंट कांक्रीटीकृत सड़कों एवं नालियों के निर्माण के साथ ही वार्ड कार्यालय निर्माण कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। नगर निगम द्वारा लगभग 01 करोड़ 69 लाख रूपये की लागत से उक्त कार्य कराये जायेंगे। भूमिपूजन अवसर पर स्थानीय पार्षद शैलेश साहू, जोन अध्यक्ष देवेन्द्र भार्गव व पूजा शर्मा, पार्षद सरोज आसेरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

आदिपुरुष सिर्फ फिल्म नहीं हमारे गौरवशाली इतिहास के महानायक श्रीराम की गाथा है : राकेश कुकरेजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भगवान श्री राम की जीवनी पर आधारित फिल्म आदिपुरुष सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस शुभ अवसर पर सिंधु सेना भगवान श्री राम , भईया लक्ष्मण, माता सीता और 11 हनुमान जी के साथ सभी राम भक्तों ने रंगमहल टॉकीज में आदिपुरुष का पहला शो देखने पहुंचें । इस अवसर पर सिंधु सेना अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा आदिपुरुष सिर्फ फिल्म नही हमारे गौरवशाली इतिहास के महानायक श्री राम की गाथा है हम आज इस मूवी को युवा पीढ़ी के साथ देख कर इसका सपोर्ट कर रहे है साथ ही युवा पीढ़ी को सनातन धर्म का गौरवशाली इतिहास बता रहे है, आपके माध्यम से हम सभी से आग्रह करते ही अदिपुरूष देखे और हिंदुत्व को समझे की हमारी कितनी प्राचीन और सुंदर परंपरा है। इस अवसर पर नरेंद्र ठाकुर, संदीप कल्याणे,भगवानदास ढालिया, शुभम श्रीवास, राजकुमारी डागोर,विष्णु राजपूत,यतिन मकवाना,सुनील नीलकंठ, चंदू यादव,सुजल तोमर, राज बैरागी,सिद्धार्थ जैन, प्रभात मालवीय, विनोद हवेलियां सहित सैंकड़ों संख्या में युवा साथी उपस्थित थे

मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश के संयुक्त क्राफ्ट बाजार का शुभारंभ

भोपाल । कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग मध्यप्रदेश शासन और वस्त्र मंत्रालय आंध्रप्रदेश द्वारा भोपाल में गोहर महल में क्राफ्ट बाजार का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार 16 से 25 जून तक चलने वाले क्राफ्ट बाजार का शुभारंभ कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव और आंध्र प्रदेश की प्रमुख सचिव के. सुनीता ने किया। आयुक्त सह प्रबंध संचालक संत रविदास म.प्र. हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम सूफीया वली फारूकी ने बताया कि 25 जून तक हो रहे क्राफ्ट बाजार में मध्यप्रदेश तथा आंध्रप्रदेश के शिल्पियों द्वारा उत्पादित सामग्री विक्रय के लिये उपलब्ध है। आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी एम्पोरियम की सामग्री अब मृगनयनी एम्पोरियम में उपलब्ध रहेंगे। आयुक्त् हस्तशिल्प श्रीमती फारूकी ने बताया मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश के बीच सहमति के आधार पर प्रदेशवासियों को आन्ध्र प्रदेश का शिल्प उपलब्ध? कराने के लिये आन्ध्र प्रदेश के लेपाक्षी एम्पोरियम की वस्तुओं को मृगनयनी शो-रूम में प्रदर्शित किया जाएगा। यह विक्रय के लिए भी उपलब्ध रहेगा।

आईआईएसईआर भोपाल नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2023 की अकादमिक श्रेणी में चौथे स्थान पर

भोपाल। एक सांकेतिक विकास में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल को नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2023 की शैक्षणिक श्रेणी में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। संस्थान ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अपनी रैंकिंग में सुधार किया है, जब इसे शैक्षणिक श्रेणी में 10वां रैंक प्राप्त हुई थी। संस्थान ने 13वे रैंक से 6वे रैंक तक समग्र श्रेणी में भी सुधार किया है और देश के सभी आईआईएसईआर में शीर्ष स्थान हासिल किया है। नई रैंकिंग की घोषणा 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 तक के नेचर इंडेक्स डेटा के आधार पर की गई है। रैंकिंग के बारे में बोलते हुए आईआईएसईआर भोपाल के निदेशक, प्रो. शिवा उमापति ने कहा, नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2023 में हम अपनी प्रगति को देखकर खुश हैं द्यआईआईएसईआर भोपाल में, हमारा उद्देश्य अकादमिक और उद्योग के नेताओं के साथ काम करके एक सहयोगी अनुसंधान पारिस्थिति की तंत्र का निर्माण करना है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष संस्थान की रैंकिंग में सुधार हुआ है और यह अनुसंधान, शिक्षण और आउटरीच में हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से हुआ है। नेचर इंडेक्स को वैज्ञानिक अनुसंधान में संस्थानों और देशों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए दुनिया भर में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और प्रतिष्ठित मैट्रिक माना जाता है। सूचकांक में उच्च रैंकिंग को विश्व स्तर पर अनुसंधान में उच्च प्रदर्शन का संकेत माना जाता है । पहली बार, द नेचर इंडेक्स 2023 वार्षिक तालिकाएँ चार प्राकृतिक-विज्ञान श्रेणियों के अलावा उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा पत्रिकाओं में आउटपुट ट्रैक करती हैं इसके साथ ही, आईआईएसईआर भोपाल लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा हैद्ध

भोपाल विकास प्राधिकरण करा रहा मिसरोद से बर्रई तक का सड़क निर्माण कार्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा मिसरोद से बर्रई तक निर्मित किये जाने वाले 45 मीटर चौडे मास्टर प्लान-सड़क निर्माण कार्य आज भूस्वामियों के सहयोग से किया जा रहा है। उक्त स्थल पर भूस्वामियों के साथ स्थानीय रहवासी और प्राधिकरण की और से कार्यपालन यन्त्री और योजना प्रभारी यतीश जैन के साथ तकनीकी अमला भी उपस्थित था। उल्लेखनीय है कि भोपाल विकास प्राधिकरण के द्वारा भोपाल नर्मदापुरम राष्ट्रीय राजमार्ग से बर्रई तक 45 मीटर चौडी मास्टर प्लान सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। जिससे मिसरोद जाटखेड़ी. वागली. कटारा, और बर्रई क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की अपार समावना है। इसके साथ ही उक्त क्षेत्र में निवासरत रहवासी भी लाभान्वित होगे। उक्त योजना के अर्न्तगत आने वाले गावों की कनेक्टीबिटी सीधे मुख्य मार्ग से सीधे हो सकेगी। भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान रोड़ के दोनो तरफ 226हेक्टेयर भूमि में अधो सरंचना का विकास किया जावेगा। उक्त योजना के अर्न्तगत आवासीय व्यवसायिक और पी.एस.पी. भू-खण्डों का विकास किया जावेगा, साथ ही अन्य प्रकार के निर्माण भी उक्त योजना में किये जावेगे। भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जाने वाली योजना में पृथक से विद्युत सब स्टेशन, कम्युनिटी हाल, आगनबाडी, और स्कूल हेतु भू-खण्डों को आरक्षित किया गया है साथ ही पर्यावरण को दृष्टिगत रखते हुए खुला क्षेत्र और पार्क इत्यादि का भी विकास भी किया जावेगा।

सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें: महापौर

भोपाल। महापौर मालती राय ने चांदबड़ जोन कार्यालय, ईदगाह हिल्स फिल्टर प्लांट एवं विधानसभा फिल्टर प्लांट पर सौर ऊर्जा पेनल्स लगाने संबंधी कार्यों का निरीक्षण किया और सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना संबंधी सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने विधानसभा के सामने स्थित फिल्टर प्लांट के रिक्त स्थानों पर भी अतिरिक्त रूप से सोलर पेनल्स लगाने की कार्यवाही शीघ्रता से करने के निर्देश दिए। इस दौरान महापौर श्रीमती राय ने विधानसभा जलशोधन संयंत्र का भी निरीक्षण किया और जल शुद्धिकरण प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की और शुद्धिकरण से पूर्व एवं शुद्धिकरण के बाद प्राप्त होने वाले जल का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री संदीप केरकेट्टा, महापौर परिषद के सदस्य श्री राजेश हिंगोरानी सहित अन्य पार्षदगण व निगम अधिकारी मौजूद थे। महापौर श्रीमती मालती राय ने निगम कार्यालयों/संयंत्रों में विद्युत की ऊर्जा के स्थान पर सौर ऊर्जा का उपयोग कर विद्युत व्यय पर होने वाले व्यय की बचत के दृष्टिगत स्थापित किए जा रहे सौर ऊर्जा पेनल्स के निरीक्षण के क्रम में चांदबड़ स्थित जोन क्र. 09 के कार्यालय के ऊपर लगाए जा रहे सोलर प्लांट्स का निरीक्षण किया और सोलर पेनल्स स्थापना के संबंध में निगम अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने सोलर पेनल्स लगाने के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

साधु वासवानी स्कूल में शिक्षक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी भवन में शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप आज सारगर्भित तरीके अपनाकर स्वस्थ रह सकते हैं।

आरोग्य केंद्र के डॉ. अर्जुन टेवानी ने शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क होता है और स्वस्थ रहने के लिए आपको अपना डॉ. खुद ही बनना पड़ेगा, अपना डॉ. खुद बनने का मतलब है हमारे शरीर के अंदर के रोगों को ठीक करना, डॉ. के तीन कार्य है रोगों को पहचानना, रोगो के कारण जानना और रोगो का निवारण करना, जब तक हम रोग को पालते रहेंगें और दवाईयों से घिरे रहेंगें तब तक रोग हमारे शरीर में ही रहेंगें इसके लिए अस्पतालों से दूर रहें व प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़कर अपनी जीवनी शक्ति को बढ़ाएं एवं प्रकृति के पांच डॉक्टर वायु, जल, पृथ्वी, आकाश, सूरज द्वारा अपने रोगो का निवारण करें, हमारे शरीर में वात, पित, कफ दोष जब बढ़ता है तब अनेक प्रकार की बीमारियां जैसे पेट दर्द, कमर दर्द, चक्कर आना, खट्टी डकारे, दमा, टीबी, निमोनिया, आदि रोग हो जाते हैं, इन सब रोगो का उपचार प्राकृतिक चिकित्सा द्वार बड़े ही सरल, सुलभ व सस्ते तरीके से किया जा सकता है।

साइंस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल मानव कल्याण के लिए हो : शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने साइंस-20 कॉन्फ्रेंस में आए प्रतिनिधियों से किया संवाद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत वासियों की सोच में साइंस टेक्नोलॉजी, समाज और संस्कृति, आज से नहीं हजारों सालों से है। भारत, दुनिया के कल्याण के लिए एक नई दिशा प्रदान कर रहा है। सारी दुनिया एक ही परिवार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन अर्थ, वन फेमिली और वन फ्यूचर की बात कही है, जो भारत का प्राचीन विचार है। भारत में बच्चा-बच्चा कहता है कि %धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण हो%। मुख्यमंत्री चौहान ने होटल ताज में जी-20 अंतर्गत साइंस-20 कॉन्फ्रेंस-ऑन कनेक्टिंग साइंस टू सोसायटी एंड कल्चर में आए त्न-20 के सदस्य देशों, आमंत्रित राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के वैज्ञानिक समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद में यह बात कही।

विज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए मर्यादित रूप में हो: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रकृति का शोषण नहीं होना चाहिए, मानव कल्याण के लिए उसका सही दिशा में दोहन किया जाए। प्रकृति की पूजा करें। टेक्नोलॉजी मनमानी करने के लिए नहीं है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का व्यर्थ दोहन न हो। विज्ञान टेक्नोलॉजी का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। इसका उपयोग सुशासन के लिए होना चाहिए। विज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए मर्यादित रूप में हो। वैज्ञानिकों का कर्त्तव्य है कि साइंस का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि रचनात्मकता के लिए किया जाए। लोगों की समस्याओं के समाधान, उनके कल्याण और आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को रहने लायक बनाने टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग करें। दुनिया की भलाई के लिए ही टेक्नोलॉजी का उपयोग हो।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखना आवश्यक: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भौतिक और नैतिक दोनों का समन्वय करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना बेहतर है। लोगों का जीवन स्तर सुधारने और बेहतरी के लिए विज्ञान का उपयोग हो। हमें पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और प्रदूषण फैलने से रोकने के उपाय सुनिश्चित करने होंगे। पेड़-पौधे, कीट-पतंगे तथा जीव-जंतुओं की प्रजातियाँ समाप्त न हों, इस पर भी ध्यान देना होगा। जियो और जीने दो के सिद्धांत पर चलकर सभी के कल्याण के लिए अपना योगदान दें। विज्ञान का अमर्यादित उपयोग न हो। हम सब एक हैं, एक ही चेतना हैं। प्रेम, स्नेह, शांति और आत्मीयता बनाए रखकर एक-दूसरे के लिए सदैव खड़े रहें।

मुख्यमंत्री चौहान ने प्रांरभ में सम्मेलन में आए प्रतिनिधियों का स्टॉल भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का दिल है। देश के दिल की राजधानी भोपाल में आपका ह्रदय से स्वागत है। उल्लेखनीय है कि एस-20, जी-20 का भाग है। वैज्ञानिक तरीके से यह लोगों की समस्याओं को समझने और निदान करने के लिए प्रयासरत है। सम्मेलन में साइंस को सोसायटी और कल्चर के साथ जोड़ने के लिए गहन विचार-विमर्श हुआ।

भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा पद्मविभूषण से सम्मानित डॉ. राजगोपाल चिदंबरम, इंडोनेशिया के प्रतिनिधि प्रो. अहमद नजीब बुरहानी, ब्राज़ील के प्रतिनिधि प्रो. रुबेन ओलिवन, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी, डॉ. आलोक श्रीवास्तव तथा अजय प्रकाश साहनी सहित अन्य वैज्ञानिक प्रतिनिधि मौजूद थे।

वैज्ञानिक अनुसंधानों को लैब से निकालकर सामाजिक विकास से जोड़ने का भारत प्रवर्तकः आशुतोष शर्मा

जी-20 अन्तर्गत साइंस-20 कांफ्रेंस के प्रथम दिवस के सत्रों में हुए मंथन और आगामी कार्रवाई के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (द्बह्रस्) के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष शर्मा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत इस विचारधारा का प्रवर्तक है कि समाज को विज्ञान से जोड़ा जाये, जिससे उन्हें वैज्ञानिक विकास का शीघ्र लाभ प्राप्त हो सके।

कैसे लैब से निकालकर वैज्ञानिक अनुसंधानों से सीधे सामाजिक हित को जोड़ा जाये। कनेक्टिंग साइंस टू सोसाइटी एंड कल्चर थीम पर आधारित साइंस-20 कांफ्रेंस भोपाल में हुई। बैठक में त्न-20 के सदस्य, 9 देशों, आमंत्रित राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 25 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों सहित कुल 80 प्रतिनिधि-प्रतिभागी शामिल हुए। प्रो. शर्मा ने कहा कि वैज्ञानिक समुदाय की ज़िम्मेदारी है कि उनके प्रयासों की दिशा समाज के हित में हो, जो सतत समावेशी एवं संवहनीय विकास को बल प्रदान करे।

फिल्म आदिपुरूष के नाम पर सनातन धर्म से किया खिलवाड़ः आकाश सिंह राजपूत

सागर। रामायण पर बनी फिल्म आदिपुरूष आज शुक्रवार को रिलीज हुई जिसको लेकर आकाश सिंह राजपूत अपने परिवार तथा क्षेत्रवासियों के साथ बड़े हर्ष उल्लास के साथ फिल्म देखने के लिये गये लेकिन फिल्म देखने के बाद उन्होंने फिल्म की घोर निंदा करते हुये कहा कि यह फिल्म हमारे सनातन धर्म और आराध्य प्रभु श्रीराम के चरित्र के साथ खिलवाड़ है इस फिल्म में मर्यादा पुरूषोत्तम प्रभु श्रीराम के चरित्र को बहुत ही कमजोर दिखाया गया है साथ ही पिक्चर में जानकी माता के वस्त्रों को लेकर भी ध्यान नहीं रखा गया। रावण जो कि रामायण के अनुसार अधर्म पर चलने वाला था उसका महिमा मंडल प्रभु श्रीराम राघव से भी अधिक किया गया है यह फिल्म हमारे बच्चों तथा युवाओं एवं समाज पर अच्छा प्रभाव नहीं डालेगी। रामायण के नाम पर इस फिल्म में हमारे आराध्य का मजाक उड़ाया गया है जो कि किसी भी हाल में बरदास्त नहीं किया जायेगा धर्म के नाम पर इस तरह की पिक्चरें बंद होनी चाहिये। आकाश ने कहा कि मैं खुद एक कलाकार हूँ इसके बावजूद भी इस फिल्म का विरोध करता हूँ। मेरी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से यह अपील है कि इस फिल्म को तुरंत बैन किया जाये। फिल्म में हमारे सनातन धर्म के साथ खुलेआम निंदनीय खिलवाड़ किया गया है हम सनातनियों की भावनायें इससे आहत हुई हैं। आकाश सिंह राजपूत ने युवाओं से अपील करते हुये कहा कि यह फिल्म हमारे धर्म और आस्था पर प्रहार है ऐसी फिल्म का बायकॉट करें, खासतौर से बच्चों को ऐसी पिक्चर से दूर रखें क्योंकि बालमन पर पिक्चरों का बहुत प्रभाव पड़ता है हमारी संस्कृति, सभ्यता, धरोहर की रक्षा के लिये आप सभी आवाज उठायें और आदिपुरूष फिल्म का बायकॉट करें। आकाश ने अपील करते हुये कहा की शांतिपूर्ण तरीके से फिल्म का बायकॉट करें ताकि ऐसे फिल्म निर्माताओं के लिये भी मैसेज जाये कि हिंदुस्तान में हमारे धर्म, संस्कृति का कुप्रचार करने वाली फिल्मों का हिन्दुस्तान की जनता मुंहतोड़ जबाव देती है।

बिलहरा में हुए निकाय उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को मिली भारी मतों से जीत

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के बिलहरा नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 1 के नगरीय निकाय उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से विजय प्राप्त हुई है जिसको लेकर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भाजपा के विजय प्रत्याशी कमलेश सौंर को शुभकामनायें देते हुये बिलहरा की जनता का आभार व्यक्त किया है। उप चुनाव में कमलेश सौंर वार्ड क्र.1 से भाजपा के प्रत्याशी थे विपक्ष में हरनाम सौंर उर्फ हन्नू सौंर कांग्रेस से प्रत्याशी थे जिन्हें मात्र 262 वोटें मिलीं वहीं दूसरी ओर भाजपा की रीतिनीति और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता ने भाजपा के प्रत्याशी कमलेश सौंर का साथ दिया जिन्हें 449 मत प्राप्त हुये अपने प्रतिद्वंधी से 187 मतों से विजयी रहे। यह विजय भाजपा की है जिसने जनकल्याणकारी योजनाओं में हर व्यक्ति को शामिल किया। यह उपचुनाव के परिणाम बताते हैं कि जनता भाजपा के साथ है। विजय भाजपा के प्रत्याशी कमलेश सौंर के लिये क्षेत्रवासियों ने एवं उनके शुभचिंतकों ने शुभकामनायें दीं।

योग रत्न सम्मान समारोह के साथ मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस रविवार 18 जून को प्रात: 6 बजे 9 बजे तक सामूहिक के उच्चारण के साथ सबके मंगलमय स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए मनाया जायेगा। मुख्य अतिथि प्रमुख डॉ. फूलचंद जैन योगीराज , डॉ मधुसूदन रेगे योगाचार्य गायत्री मंदिर, योग गुरु शंकरलाल गंगवानी, ब्रह्मकुमारी किरण बहनजी , डॉ नरेन्द्र भार्गव, सुभाष दुबे, मदन मोहन डंडोपात,भावना माधवानी, रेखा बत्रा, सुषमा चंदेकर, नेहा शर्मा, पूजा गुप्ता, मनीषा जैन रोहिणी शर्मा नीलू चौहान, मालती इंदौरिया रहेंगे। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदेश स्तर से आयें हुए सम्मानीय योगाचार्य, क्षेत्रीय रहवासी समितियों, सामाजिक संस्थाओ,व्यावसायिक संगठनों आदि के पदाधिकारियों , खेलकूद संगठनों के खिलाड़ियों , स्कूलों के होनहार बच्चों का सम्मान योग रत्न के रुप में किया जायेगा निरंतर योग करने का संकल्प एवं राष्ट्रगान किया जायेगा।

एम्स में योग पर आधारित वैज्ञानिक कार्यशाला आज

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयुष विभाग मैट से परे योग और ध्यान के वैज्ञानिक साक्ष्य की खोज विषय पर अपनी आगामी कार्यशाला की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। कार्यशाला 17 जून को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित की जाएगी। एम्स भोपाल के अध्यक्ष डॉ सुनील मलिक और एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर अजय सिंह के सम्मानित संरक्षण के तहत, यह कार्यशाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। इस साल 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की व्यापक थीम वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर अजय सिंह द्वारा किया जाएगा, जो शारीरिक अभ्यास से परे योग और ध्यान के लाभों का समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमाणों पर चर्चा और अंतर्दृष्टि से भरे एक ज्ञानवर्धक दिन की शुरुआत करेंगे। कार्यशाला के दौरान प्रसिद्ध संस्थानों के गणमान्य वक्ता अपनी विशेषज्ञता साझा करेंगे। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. हेमंत भार्गव, सहायक प्रोफेसर, एकीकृत चिकित्सा विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान , बेंगलुरु, डॉ. तृप्ति जैन, सहायक प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त और योग विभाग, पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद कॉलेज एंड इंस्टीट्यूट, भोपाल, डॉ. गीता शर्मा, प्रोफेसर, संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज फॉर वूमेन, भोपाल और डॉ. पद्मिनी टेकुर, एसोसिएट प्रोफेसर और सीनियर कंसल्टेंट, एसव्यासा यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु हैं।

बिजली चोरी करने पर सश्रम कारावास एवं अर्थदंड

भोपाल। भिंड जिले के ग्राम सालनपुर अटेर निवासी श्री ब्रह्माकुमार शर्मा पिता रामस्वरूप शर्मा को बगैर कनेक्शन के बिजली के उपयोग के मामले में दोष सिद्ध होने पर जिला न्यायालय ने तीन माह सश्रम कारावास और एक लाख 11 हजार 360 रूपये अर्थ-दण्ड की सजा सुनाई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तत्कालीन कार्यपालन यंत्री (सतर्कता) जे.एन. नागर द्वारा 20 सितम्बर 2018 को चेकिंग के दौरान आरोपी ब्रह्माकुमार शर्मा को एलटी लाइन से सीधे तार जोड़कर चोरी करते पाए जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 (1) (ए) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया था। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने सभी विद्युत उपभोक्ताओं एवं आमजन से आग्रह किया है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अनधिकृत और अवैध रूप से बिजली का उपयोग न करें तथा विद्युत देयकों का समय पर भुगतान करें।

मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों के लिए विशेष निधि से स्वीकृत किये 431 करोड़

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 356 नगरीय निकायों में अधोसंरचना से जुड़े विविध विकास कार्यों के लिए विशेष निधि मद से 431 करोड़ 6 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से निकायों की मूलभूत सुविधाओं जिनमें सीमेंट कांक्रीट सड़क, डामरीकृत सड़क डिवाइडर निर्माण, पार्कों का निर्माण, मंगल भवन, सामुदायिक भवन, शमशान घाट निर्माण जैसे विकास कार्य किये जायेंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि इसमें खास बात यह है कि इस राशि से स्मारकों के निर्माण के साथ शहीदों और महापुरूषों की प्रतिमाऐं भी स्थापित की जायेंगी। इससे भोपाल में टंट्या मामा, शहीद चन्द्रशेखर आजाद, शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू, अमर बलिदानी हेमू कलाणी, स्व. श्री कैलाश सारंग, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री कैलाश जोशी की प्रतिमा स्थापित होंगी। साथ ही भारत माता मंदिर स्मारक भी बनाया जायेगा। सागर में अमर बलिदानी महाराणा प्रताप और नगर पालिका सौंसर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति स्थापित की जायेगी। नगर परिषद माखन नगर में राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी की मूर्ति स्थापित होगी।

होंगे सामूहिक योग के कार्यक्रम

भोपाल। प्रदेश में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वृहद पैमाने पर सामुहिक योग के कार्यक्रम होंगे। जिला मुख्यालयों पर सामूहिक योग के जिला स्तरीय कार्यक्रम होंगे। सामूहिक योग के संबंध में आयुष विभाग ने संभागीय, प्राचार्य आयुष महाविद्यालय और जिला आयुष अधिकारियों को पत्र लिख कर निर्देश जारी किये है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून 2023 को जिला मुख्यालयों और पर्यटन स्थलों पर सामुहिक योग कार्यक्रम होंगे। इनमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई समेत शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

शहर में सफाई व्यवस्था और अधिक चुस्त-दुरूस्त बनाएं : महापौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर मालती राय ने शुक्रवार को विभिन्न जोन कार्यालयों के अधीन स्वच्छता, जलापूर्ति, यांत्रिक, राजस्व, विद्युत, उद्यानिकी, अतिक्रमण आदि कार्यों की समीक्षा की और स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के अंतर्गत शहर की साफ-सफाई एवं कचरा निष्पादन संबंधी कार्यों को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने, स्वच्छता संबंधी कार्यों की सभी स्तर पर सूक्ष्मता से मॉनीटरिंग करने, इसकी कमियों को दूर करने व आवश्यकतानुसार सुधार करने के निर्देश दिए साथ ही निर्देशित किया कि शहर के नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल आपूर्ति बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने, शहर के सभी क्षेत्रों में जर्जर एवं भयप्रद भवनों को चिन्हित करने उनके विरूद्ध समुचित कार्यवाही करने, स्ट्रीट लाईट्स की भी व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने जोनल अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वार्ड समितियों की बैठक नियमित रूप से आहूत की जाए और सम्पत्तिकर सहित अन्य करों, शुल्कों की वसूली भी सुनिश्चित की जाए। महापौर श्रीमती मालती राय ने प्रातः जोन क्र. 09 एवं जोन क्र. 07 के कार्यालय तथा आई.एस.बी.टी स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में जोन क्र. 04, 05, 06, 10 एवं 21 की पृथक-पृथक समीक्षा की और जोन कार्यालय के अंतर्गत विभिन्न कार्यों से संबंधित अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित क्षेत्रों के पार्षदगण से भी चर्चा की।

महापौर श्रीमती राय ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में भोपाल शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने हेतु स्वच्छता संबंधी कार्यों एवं कचरा निष्पादन प्रक्रिया को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने हेतु सभी स्तरों पर स्वच्छता की सूक्ष्मता से मॉनीटरिंग करने और कचरा एकत्रीकरण, परिवहन एवं निष्पादन व्यवस्था को भी बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने तथा नागरिकों व व्यवसायियों को भी स्वच्छता में सहयोग करने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए।

26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर जन जागरुकता अभियान चलाया जाएगा

भोपाल। भोपाल जिले में मद्यपान तथा मादक पदार्थों, नशीली दवाईयां, शराब एवं विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज को जागरूक करने के लिए शासन द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। 26 जून 2023 को नशीले पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध व्यापार के विरुद्ध अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। अंतराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य उन प्रभावों को सशक्त करना हैं, जिससे नशीले पदार्थों व नशीली दवाइयों से मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकें। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इस अवसर पर संबंधित विभागों को स्थानीय स्तर पर सेमिनार, वर्कशाप, रैली, प्रदर्शनी, वाद- विवाद, निबंध लेखन, मानव श्रृंखला, पोस्टर प्रतियोगिताएं एवं नाटक, गीत, नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम व सभाएं आयोजित कर नशा मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत जनजागृति का वातावरण निर्मित करने को कहा है।

छात्रावासों में प्रवेश आवेदन 30 तक

भोपाल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भोपाल श्री ऋतुराज सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिले में संचालित जूनियर एवं सीनियर छात्रावासों में प्रवेश लेने के लिए आवेदन देने की तिथि 15 जून से बढ़ाकर 30 जून निर्धारित की गई है। सीईओ श्री सिंह ने बताया कि छात्रावासों में प्रवेश के लिए रिक्त सीटों की जानकारी का जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए।

विंध्य क्षेत्र में पहली बार हुआ रिमोट से ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत

350 किमी दूर स्थापित इस ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने में सफलता हासिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एमपी ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने प्रदेश के अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क में एडवांस टेक्नोलॉजी के उपयोग को आगे बढ़ाते हुए एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने सिंगरौली जिले के 132 केवी सब स्टेशन देवसर में 50 एम व्ही ए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। इसमें विशेष बात यह है कि इसे बिजली कंपनी के मुख्यालय शक्ति भवन जबलपुर से पावर सेक्टर की एडवांस टेक्नोलॉजी के माध्यम से 350 किलोमीटर दूर स्थापित इस ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत करने में सफलता हासिल हुई है।

सिंगरौली जिले को अब लगभग 45 मेगावाट की अतिरिक्त विद्युत उपलब्ध होने के साथ ही विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली उचित वोल्टेज पर उपलब्ध होगी। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क में अत्याधुनिक तकनीक के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की मंशा के अनुसार एमपी ट्रांसको ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इस सफलता के लिए एमपी ट्रांसको के कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा है कि इसी तरह ट्रांसमिशन कंपनी एडवांस तकनीक का उपयोग कर उपभोक्ताओं को सतत् और गुणवत्तापूर्ण विद्युत पारेषण उपलब्ध कराती रहेगी। एमपी ट्रांसको ने इस माह सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य अभियंता श्री दीपक जोशी को सम्मान दिया जिन्होंने बिजली कंपनियों के मुख्यालय शक्ति भवन से एच एम आई (ह्यूमन मशीन इंटरफ़ेस) तकनीक का उपयोग करते हुए कंप्यूटर का माउस क्लिक कर 352 किलोमीटर दूर देवसर सिंगरौली में ट्रांसफॉर्मर को ऊर्जीकृत किया। विंध्य क्षेत्र में इस तकनीक का उपयोग पहली बार हुआ है। एम पी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता सतना श्री सुनील वझे ने बताया कि इस तकनीक में मानव और कंप्यूटर मशीनों के तालमेल से उपकरणों को नियंत्रित और संचालित किया जाता है।

सिंगरौली जिले की ट्रांसफॉरमेशन कैपेसिटी में बढ़ोतरी

इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से 132 कें व्ही सबस्टेशन देवसर को एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर का विकल्प मिल गया है। इससे सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 90 एम व्ही ए की हो गई है साथ ही सिंगरौली जिले को विद्युत आपूर्ति करने के लिए एक और फ्लैक्सिबल विकल्प प्राप्त हुआ है। सिंगरौली जिले की ट्रांसफॉरमेशन क्षमता भी बढ़कर अब 243 एम व्हीए की हो गई है। एमपी ट्रांसको जिले में देवसर के अलावा डोंगरीताल ,मोरवा, राजमिलान एवं बैढन 132 केवी सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है।

स म्पा द की य

थैले में शव...!

चारपाई पर बीमार महिला को लेकर कई किलोमीटर तक पैदल अस्पताल तक पहुंचाया। साइकिल पर शव लेकर मीलों की यात्रा करके घर पहुंचे। अब बच्चे के शव को थैले में रखकर डेढ़ सौ किलोमीटर का सफर तय किया...। ये खबरें साफ तौर पर हमारे राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ ही सड़क मार्ग और अन्य अव्यवस्थाओं की डरावनी तस्वीर ही दिखाती हैं।

पहले ताजा खबर पर नजर डालते हैं। जो मध्य प्रदेश के डिंडोरी की है, इसने पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। खबर है, एक पिता को अपने नवजात बच्चे की मौत के बाद शव वाहन नहीं मिला तो उसके द्वारा थैले में शव को रखा और 150 किलोमीटर का सफर बस से पूरा करने की। रास्ते भर वह थैले में बेजान पड़े अपने कलेजे के टुकड़े को निहारता रहा, लेकिन आंखों से आंसू की एक बूंद नहीं निकलने दी। ना ही किसी को इसका पता चलने दिया। पिता को इस बात का डर था कि थैले में शव होने का पता चलने पर उसे बस से उतार दिया जाएगा।

पूरा मामला यह है- डिंडोरी के सहजपुरी निवासी सुनील धुर्वे की पत्नी जमनी बाई ने 13 जून को बेटे को जन्म दिया था। डिलीवरी डिंडोरी जिला अस्पताल में हुई थी। नवजात शारीरिक रूप से कमजोर था। इस कारण 14 जून को डॉक्टर ने उसे जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया था। इलाज के दौरान 15 जून को जबलपुर में नवजात की मौत हो गई। पिता ने शव को डिंडोरी लाने के लिए शव वाहन की मांग की, लेकिन अस्पताल ने मना कर दिया। कोई उपाय ना देख पिता ने नवजात के शव को एक थैले में रख लिया और बस से डिंडोरी पहुंच गया।

पिता ने अपने बच्चे का शव एक थैले में रखा और बस स्टैंड पहुंच गया। यहां से बस में बैठकर 150 किलोमीटर दूर डिंडोरी पहुंचा। थैले में बच्चे का शव होने का बस वालों को पता नहीं लग पाया। गुरुवार की रात लगभग साढ़े दस बजे युवक राज्य परिवहन की बस से डिंडोरी पहुंचा। अगले दिन उसने नर्मदा किनारे नवजात का शव दफना दिया।

यह घटना अखबारों में प्रमुखता से छपी है। मीडिया में भी चली। कुछ अफसरों की सफाई भी पढ़ने-सुनने को मिली। लेकिन सवाल तो जहां का तहां है न। आखिर जिन सुविधाओं पर हम करोड़ों खर्च कर रहे हैं, वो सबको उपलब्ध क्यों नहीं हैं? दूसरा, जिन पिछड़े-आदिवासी इलाकों पर अरबों रुपए के विशेष पैकेज तक लिए गए, वहां व्यवस्थाओं में सुधार क्यों देखने को नहीं मिल रहा? साफ तौर पर शासन से लेकर प्रशासन तक की नाकामी के उदाहरण हैं ये। इसमें आज की सरकार से लेकर पूर्ववर्ती सभी सरकारों के जिम्मेदार लोग शामिल हैं। इसमें वो प्रशासनिक मशीनरी शामिल है, जो योजनाएं लागू करती है और कागजों पर सुविधाएं देकर भारी कमीशर हड़प जाती है। इसमें राजनेता, अफसर सभी शामिल हैं।

हर जिले, हर ब्लाक में एंबुलेंस दी गई है। अस्पतालों में सुविधाएं दी गई हैं, तो दिखती क्यों नहीं? क्यों कहीं चारपाई पर तो कहीं साइकिल पर शव ले जाने पड़ते हैं? क्यों मासूब बच्चे का शव थैले में रखकर ले जाना पड़ता है? क्या हमारी संवेदनाओं को हम दफना चुके हैं? या फिर श्मशान घाट की अग्नि के हवाले कर चुके हैं? हमें कमीशन पहले चाहिए, योजनाएं जाएं भाड़ में। कुछ जगह प्रदर्शनी लगा दी और सारी सुविधाओं से लैस हो गया प्रदेश। राजीव गांधी के उस कथन की जो मजाक बनाते हैं कि एक रुपए भेजो तो चौदह पैसे पहुंचते हैं, वही लोग पूरे सौ रुपए भी हड़प रहे हैं।

जिस प्रदेश में अदने कर्मचारियों के यहां करोड़ों की संपत्ति मिलती है, वहां किससे ईमानदारी की उम्मीद रखी जाए? जो निचले स्तर पर खाता है, हिस्सा ऊपर तक पहुंचाया जाता है, ऐसा दावा किया जाता है। वैसे राजधानी भोपाल और इंदौर में यदि जमीनों से लेकर तमाम प्रापर्टी की सही जांच कराई जाए, तो पता चल जाएगा कि सुविधाओं और योजनाओं का पैसा कौन खा रहा है? अरबों की सम्पत्तियां बना चुके हैं ऊपर बैठे लोग। साइकिल से चलने वाले करोड़ों के कथित कारोबार कर रहे हैं। करोड़ों का निवेश है। जमीनों में पैसा लगा है।

यह मुद्दा कुछ अलग भले ही लगता हो, लेकिन यही तो मूल मुद्दा है, जिसके चलते उस बेचारे को अपने बच्चे का शव थैले में पैक करके ले जाना पड़ा। सतपुड़ा भवन की आग भी ऐसी घटनाओं का प्रमाण बन जाती है। आखिर स्वास्थ्य विभाग का काला-पीला वहीं पर तो है। जो डिजिटल प्रमाण की बात करते हैं, वो केवल बहाना कर रहे हैं। दस्तावेज खाक हो जाने के बाद कंप्यूटर पर आसानी से बहुत कुछ डिलीट किया जा सकता है। लेकिन क्या उस व्यक्ति के मन-मस्तिष्क से यह घटना डिलीट की जा सकती है, कि वह कैसे अपने जिगर के टुकड़े को थैले में पैक करके डेढ़ सौ किलोमीटर का सफर तय कर पाया? इस दौरान वह कितनी बार मरा होगा, कितनी बार जिया होगा? कितने आंसू इस सफर के दौरान उसने पिये होंगे? लेकिन, किसी को क्या फर्क पड़ता है? हम निर्दयी हो गए हैं। राहत, मुआवजा और नकद योजनाओं से वोट खरीदो, संवेदनाओं की अंत्येष्टि कर दो। राम नाम सत्य है।

फिल्मों से हटा फ्लॉप का फंदा, अब ये नहीं रहा घाटे का धंधा

हेमंत पाल

भारतीय राजनीति में ये जुमला खूब चला कि 'अच्छे दिन आएंगे!' अच्छे दिन कौन से थे और वो आए या नहीं, ये अलग मामला है! लेकिन, यदि सिनेमा के अच्छे दिन की बात की जाए, तो वे आ चुके हैं। बीच में एक दौर ऐसा भी आया, जब दर्शकों का फिल्मों से मोहभंग हो गया था। इसके बाद कोरोना ने सिनेमा की कमर तोड़ी और दर्शकों के सामने ओटीटी जैसा विकल्प खड़ा हो गया। पर, अब लगता है वास्तव में सिनेमा के अच्छे दिन आ गए। अब वो हालात भी नहीं रहे, जब फिल्मकारों को फिल्म बनाने के लिए बड़ा कर्ज लेना पड़ता था और फिल्म पिटने पर अपनी संपत्ति तक बेचना पड़ती थी। अब वो स्थिति नहीं है। कोई भी फ़िल्म आसानी से सौ-दो सौ करोड़ का बिजनेस कर लेती हैं। फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं तो फिल्म निर्माण के शुरुआती दशक में 91 फिल्में बनी थी। आज सौ साल बाद इस उद्योग का चेहरा पूरी तरह बदल गया। अब हर साल हजार से ज्यादा फिल्में बनती है। बॉक्स ऑफिस पर भले ही फिल्म हिट न हो, पर निर्माता की जेब खाली नहीं होती।

हिंदी सिनेमा ने अपने सौ साल से ज्यादा पुराने इतिहास में कई उतार-चढाव देखे। कभी फ़िल्में दर्शकों की पसंद से उतरी, तो कभी विपरीत परिस्थितियों की वजह से उसे बुरे दिन देखने पड़े। लेकिन, कोरोना काल और उसके बाद के हालात और विकट रहे, जब कुछ फिल्मों के बायकाट का दौर शुरू हुआ। यह प्रवृत्ति क्यों पनपी और इसका क्या असर हुआ ये अलग मुद्दा है। पर इसने फ़िल्मी दुनिया की कमर जरूर तोड़ दी। किसी भी मुद्दे को लेकर कलाकारों को बहिष्कार किया गया और उनकी फिल्मों का बायकाट! लेकिन, इसका उन दर्शकों पर असर नहीं हुआ, जिन्हें इन सारे मुद्दों से कोई सरोकार नहीं होता! यदि फ़िल्में अच्छी थीं, तो उन्हें पसंद किया गया और बॉक्स ऑफिस पर उन फिल्मों ने अच्छा कारोबार भी किया। लेकिन, वैसे हालात नहीं है। बिगड़े दौर के बाद अब सिनेमा के परदे पर फिर चमक लौट आई है। 'गंगूबाई' के बाद 'ब्रह्मास्त्र' और 'पठान' ने उन सिनेमाघरों की रंगत वापस लौटा दी, जो दर्शकों के बिना बेरंग हो गई थी। इसलिए कहा जा सकता है कि सिनेमा के अच्छे दिन वापस लौट आए।

दो साल में फिल्मों का बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस देखा जाए, तो निश्चित रूप से इसे अच्छे दिनों की शुरुआत कहा जाएगा। क्योंकि, उन दिनों में ज्यादातर बड़े सितारों की फिल्में फ्लॉप हुई। अक्षय कुमार, आमिर खान, सलमान खान, रणवीर सिंह और रणवीर कपूर जैसे कई नामचीन सितारों की फिल्मों ने तो पानी नहीं मांगा। कोरोना काल के बाद महज दो-तीन फिल्मों जैसे कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया-2' और अजय देवगन की 'दृश्यम-2' ही पसंद की गई। ये दोनों फिल्मों ने बायकॉट मुहिम में भी अच्छा कारोबार किया। लेकिन, पहले आलिया भट्ट की गंगूबाई, रणवीर कपूर की ब्रह्मास्त्र और शाहरुख खान की 'पठान' ने नई उम्मीद जगाई, इसका असर अभी भी देखा जा सकता है।

अब यदि विक्की कौशल और सारा अली की 'जरा हटके जरा बचके' भी दर्शकों को पसंद आई तो ये उसी उम्मीद का असर कहा जाएगा। अच्छे दिनों का सबूत सिर्फ शाहरुख़ खान की फिल्म 'पठान' की आसमान फाड़ कमाई ही नहीं है। 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद 'द केरल स्टोरी' भी ऐसी फिल्म है जिसने विवादों से घिरने के बावजूद कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए।

जबकि, एक वो वक़्त था, जब सिनेमा घरों में फ़िल्में महीनों तक चलती थीं! 6 महीने चली तो 'सिल्वर जुबली' और साल भर में 'गोल्डन जुबली' मनती थी। लोग भी एक ही फिल्म को कई-कई बार देखा करते थे! उनके लिए अपने पसंदीदा कलाकार की फिल्म को बार-बार देखना एक अलग तरह का शगल था। इसके अलावा फर्स्ट डे, फर्स्ट शो फिल्म देखने का अपना अलग ही जुनून तब के दर्शकों में देखा गया। सिनेमा घरों की टिकट खिड़कियों पर मारा-मारी होना तो आम बात थी। ऐसे में टिकट खिड़की से मुट्ठी में मसली हुई टिकट पा लेना भी किसी स्पर्धा जीत लेने जैसी ख़ुशी का प्रसंग था। ऐसे भी किस्से हैं, जब लोग अगले दिन का पहला शो देखने के लिए देर रात या अलसुबह से ही टिकट की लाइन में लग जाया करते थे।

लेकिन, अब ये सब गुजरे दिन की बात हो गई! सिंगल परदे वाले थियेटर की जगह मल्टीप्लेक्स ने ली! अब टिकट खिड़की भी पहले की तरह नहीं रही, सब ऑनलाइन हो गया! अब तो किसी दर्शक के खिड़की पर जाए बिना ही पूरा हॉल बुक हो जाता है। इतने बदलाव के बाद भी फिल्म देखने वाले आज भी वही हैं। पीढ़ी बदल गई, पर दर्शकों की पसंद नहीं बदली।

हमारे यहाँ फिल्म बनाना भी एक तरह से जुनून ही रहा। दादा साहेब फाल्के ने जब 1913 में भारत में पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई, तो उन्हें पत्नी के गहने तक बेचने पड़े थे। राज कपूर ने 'मेरा नाम जोकर' बनाई, तब उनका सब कुछ कर्ज में डूब गया। लेकिन, अब ऐसे किस्से सुनाई नहीं देते। क्योंकि, फ़िल्में ऐसा बिजनेस नहीं रह गया कि फिल्मकार की सारी पूंजी डूब जाए! भारतीय फिल्म उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। वो स्थिति नहीं कि फ्लॉप फिल्म के निर्माता को कर्ज अदा करने के लिए अपना बंगला और गाड़ी तक गंवाना पड़ती हो! सच तो यह है कि अब कोई फिल्म फ्लॉप ही नहीं होती। फिल्मकारों ने कमाई के कई तरीके खोज लिए। फिल्म से जुड़े इतने सारे अधिकार (राइट्स) होतें हैं कि फ्लॉप फिल्में भी आसानी से अपनी लागत निकालने में तो कामयाब हो जाती हैं।

फ़िल्मी सितारों की लोकप्रियता पर टिकी सिनेमा की दुनिया के अर्थशास्त्र को कॉरपोरेट कंपनियों ने अपनी पूंजी के सहारे मुनाफा कमाने के फॉर्मूले से जोड़ लिया है। बड़ी फ़िल्म के ढाई-तीन हजार प्रिंट रिलीज किए जाते हैं, जो प्रचार के दम पर तीन दिन में ही लागत के साथ मुनाफा निकाल लेते हैं। बताते हैं कि यशराज फिल्म की 'ठग्स ऑफ़ हिंदुस्तान' बुरी तरह फ्लॉप हुई। इस फिल्म ने प्रचार से ऐसा आभामंडल बनाया था कि शुरू के तीन दिन में ही इसने कमाई कर ली। हाल ही में आई सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान' के साथ भी यही हुआ। फिल्म तो नहीं चली, पर इसके कई राइट्स ने लागत से ज्यादा कमाई कर ली। फिल्म निर्माण का अर्थशास्त्र पूरी तरह मुनाफे के सिद्धांत पर चलने लगा। अब तो अप्रवासी भी इसमें पैसा लगाने लगे। 2001 में जब सरकार ने फिल्मों को उद्योग का दर्जा दिया, इसके बाद से फिल्म उद्योग का पूरी तरह कॉरपोरेटीकरण हो गया!

फिल्म निर्माण से इसके डिस्ट्रीब्यूशन तक के तरीके में इतना बदलाव आ गया। हिट और फ्लॉप फिल्म की परिभाषा ही बदल गई। फिल्म के रिलीज से पहले ही सैटेलाइट, ओवरसीज, म्यूजिक और ओटीटी के लिए अलग-अलग राइट्स फिल्म की रिलीज से पहले ही बेच दिए जाते हैं। इससे प्रोडक्शन हाऊस को जबरदस्त आय होती है और एक तरह से रिलीज से पहले ही फिल्म की लागत निकल आती है। प्रोडक्शन हाउसों ने तो सिनेमा कारोबार का पूरा खेल ही बदल दिया। इनका फिल्मों में पैसा लगाने का तरीका भी अलग है। अब ये फिल्म नहीं 'पोर्टफोलियो मैनेजमेंट' करते हैं। मल्टीप्लेक्स ने भी फिल्म देखने के तरीके बदल दिए। यही कारण है कि कम बजट की फ़िल्में भी दर्शकों तक पहुंच रही है और अच्छा खासा बिजनेस कर रही है। सिर्फ कुछ अलग सी कहानी के दम पर ही निर्माता लागत से तीन से चार गुना कमाई करने लगे। जिस तरह से फिल्मों के दिन फिरे हैं अब रणवीर सिंह की फिल्म 'गली बॉय' के गाने 'अपना टाइम आएगा' की तरह फिल्मकार भी यही उम्मीद कर सकते हैं!

गेहूं भंडारण पर लगाम ?

राकेश दुबे

कितनी अजीब बात है एक तरफ़ देश में गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है और दूसरी तरफ़ सरकार ने प्रचुर आपूर्ति के बीच उसकी स्टॉक लिमिट तय करने का निर्णय सुना दिया है। यह निर्णय इस बात का साफ़ संकेत है कि देश में खाद्य अर्थव्यवस्था भारी कुप्रबंधन की शिकार है। साफ़ समझ आ रहा है कि रबी का मार्केटिंग सीजन अभी समाप्त नहीं हुआ है और किसानों के पास अभी भी गेहूं का ऐसा भंडार मौजूद है जो बिका नहीं है। इस लिहाज से भी यह कदम न केवल गलत बल्कि किसान विरोधी ही कहा जाएगा।

और ख़ास बात यह है कि यह निर्णय ऐसे समय आया है जब खाद्य मुद्रास्फीति 2.91 प्रतिशत के साथ 18 महीने के निचले स्तर पर है और सकल खुदरा मुद्रास्फीति 4.25 प्रतिशत के साथ 25 माह के निचले स्तर पर है। मोटे तौर पर खाद्य और ईंधन कीमतों में नरमी की बदौलत हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि गेहूं के मामले में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर लंबी अवधि में अपेक्षाकृत ऊंची बनी रही है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि समूचे बाजार को प्रभावित करने वाला कदम उठाया जाए, खासतौर पर यह देखते हुए कि सरकार विभिन्न कल्याण योजनाओं के अधीन 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क अनाज उपलब्ध करा रही है।

इस तरह की अतिरंजित प्रतिक्रिया कई बार बाजार में अनावश्यक तंगी के हालात पैदा करके कई बार अनपेक्षित परिणाम भी दे सकती है जो किसानों, व्यापारियों, प्रसंस्करण करने वालों और उपभोक्ताओं सभी के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है। यह कदम इसलिए भी अजीब है कि इस मुख्य अनाज के मुक्त व्यापार को रोकने के साथ-साथ सरकार ने ई-नीलामी के जरिये अपने भंडार से 15 लाख टन गेहूं को बाजार में उतारने का इरादा भी जाहिर किया है। दिलचस्प बात है कि यह अनाज न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक कीमत पर बेचा जाएगा।

देश की खाद्य प्रबंधन व्यवस्था का मुख्य अवगुण है प्रशासनिक बहुलता। खाद्यान्न उत्पादन और उनका समर्थन मूल्य तय करना जहां कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी है वहीं सरकारी खरीद, भंडारण और राज्यों को आवंटन का काम खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा किया जाता है। इसके अलावा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आबादी के दो तिहाई हिस्से को अनाज वितरण का काम राज्य सरकारें करती हैं। ये सभी काम एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और मांग-आपूर्ति के गणित को प्रभावित करते हैं। इनका असर खुले बाजार में अनाज की कीमत पर भी पड़ता है जो सरकार के नीतिगत निर्णयों का आधार बनता है।

सरकार को मौजूदा मामले में जिस कारक पर सबसे अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है वह है हाल में समाप्त रबी सत्र में गेहूं के उत्पादन का सरकारी का आकलन। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 2022-23 में गेहूं का उत्पादन 11.27 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहा जो पिछले वर्ष से 50 लाख टन अधिक है। जबकि पिछले वर्ष हम बिना घरेलू आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित किए 70 लाख टन गेहूं का निर्यात करने में सफल रहे थे।

अनाज कारोबारियों का मानना है कि वास्तविक उत्पादन 10 से 10.3 करोड़ टन के बीच रहा है। अगर गेहूं का उत्पादन सरकार के आंकड़ों के अनुरूप इतना अधिक रहा है और मई 2022 में निर्यात रोक दिया गया था तो चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए। गेहूं कोई ऐसी जिंस नहीं है जिसे बिना नुकसान या गुणवत्ता खराब हुए बिना लंबे समय तक भंडारित किया जा सके।

परिस्थिति चाहे जो भी हो अगर कीमतों में इजाफा होता है तो सरकार के पास स्टॉक होल्डिंग कम करने की वजह होती है। उस स्थिति में व्यापारियों का रुझान स्टॉक निकालकर मुनाफा कमाने का रहता है, न कि भंडार बनाए रखने का। भंडारण पर लगाम लगाने से कोई लाभ नहीं होगा। ऐसे में बेहतर यही होगा कि सरकार अपने निर्णय पर पुनर्विचार करे और खाद्यान्न बाजार से अनावश्यक छेड़छाड़ न करे।

यूपीएससी का पैटर्न: सिलेक्टिव के बजाय स्टूडेंट्स कॉम्प्रिहेंसिव स्टडी करें

हाल ही में भारतीय सिविल सेवा परीक्षा 2022 के रिजल्ट आए और इसके ठीक बाद सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2023 पूरी हुई। रिजल्ट और एग्जाम को लेकर कुछ चर्चाएं और कुछ सवाल सामने आए हैं। पहली, परीक्षा में महिला कैंडिडेट्स को मिली बड़ी कामयाबी। कुल सफल 933 कैंडिडेट्स में से 320 लड़कियां हैं। टॉप 25 में भी 14 लड़कियां हैं, जिनमें एक टॉपर भी शामिल है। दूसरा, हिंदी के साथ भारतीय भाषाओं में कामयाबी का ग्राफ ऊपर जाना। इस साल हिंदी मीडियम से सर्वाधिक 54 कैंडिडेट्स सफल हुए, जबकि पिछले बरस यह संख्या 24 थी। इनमें अन्य भारतीय भाषाओं के कैंडिडेट्स को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 79 हो जाती है।

जहां तक बदलाव की बात है तो यह 2013 के बाद से लगातार दिख रहा है और 2023 की प्रारंभिक परीक्षा में भी देखा गया। यूपीएससी की रणनीति यह लगती है कि कैंडिडेट्स सिलेक्टिव स्टडी के बजाय कॉम्प्रिहेंसिव स्टडी करें और करंट (समसामयिक) के बजाए कंटेंपरेरी (समकालीन) पर फोकस करें। 2023 के प्री-एग्जाम खास तौर पर इसका संकेत देते हैं। इसमें करंट की बजाय कंटेंपरेरी मुद्दों को उठाया है, जो कोर्स की किताबें पढ़ने से ही हल हो सकते हैं।

पहले क्वेश्चन पेपर केवल कांसेप्चुअल होता था, लेकिन इस बार उसमें इंफॉर्मेशन, कॉन्सेप्ट, स्टैटिक सब्जेक्ट का प्रभाव ज्यादा है। इस बार एलिमिनेटिंग मेथड को भी छोड़ दिया गया है। एक और पक्ष मुख्य परीक्षा (मेन्स) का है। इसे ठीक से देखें तो अब चीजें इंटर डिसिप्लिनरी अधिक हैं। यही सिलेक्टिव स्टडी वालों के लिए मुसीबत बनी। आप एक विषय को जाने बिना दूसरे में भी अच्छा नहीं कर सकते, यह सिद्धांत इसमें प्रभावी दिखा।

साफ है कि यूपीएससी परफेक्शन चाहता है, हालांकि इसके लिए जिन पैरामीटर्स पर वह चल रहा है वे अव्यावहारिक हैं। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि परफेक्ट तो उसका एग्जाम पैटर्न भी नहीं है। खासकर, सीसैट और वैकल्पिक विषय सिस्टम। इस परीक्षा में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की बात करें तो 21वीं सदी के दौर में हिंदी भी ग्लोबल बनी, लेकिन यूपीएससी में वह पीछे खिसक गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस दौर में वोकल फॉर लोकल पर जोर दिया, उसी दौर में भारतीय भाषाओं की यूपीएससी ने उपेक्षा की। तो क्या आयोग भारत की परंपरागत संवेदनाओं को न समझने के साथ-साथ प्रधानमंत्री के संवेदनशील आग्रहों की भी अनदेखी कर गया? 2013 तक हिंदी की हालत कुछ हद तक ठीक थी। तब टॉप 100 में 8 हिंदी माध्यम के थे। सीसैट के आने के बाद से हिंदी माध्यम के कैंडिडेट्स के लिए समय का पहिया उलटा चलने लगा और 2021 आते-आते हिंदी ध्वस्त हो गई।

2022 का रिजल्ट इस लिहाज से बेहतर रहा, लेकिन यह गुणात्मकता की दृष्टि से नहीं, मात्रात्मक दृष्टि से ही बेहतर है। अधिकांश का रैंक 800 से नीचे है। सवाल है कि क्या हिंदी और भारतीय भाषाओं के साथ नाइंसाफी हो रही है या इन भाषाओं से तैयारी करने वाले कैंडिडेट्स वैसी योग्यता और क्षमता नहीं रखते, जो अंग्रेजी मीडियम के प्रत्याशियों के पास है? इसमें संदेह नहीं कि यूपीएससी की मानसिकता प्रो-इंग्लिश है। ज्यादा पीछे जाने की जरूरत नहीं। इस साल की प्रारंभिक परीक्षा के द्वितीय प्रश्न पत्र (सीसैट) को देखें तो आयोग की सोच का पता चल जाएगा। लेकिन हिंदी मीडियम के छात्रों के लिए भी सवाल बनते हैं।

इनमें ज्यादातर वैसे छात्र होते हैं, जो ग्रामीण परिवेश से एक सपना लेकर आए हैं। लेकिन ये छात्र वह नहीं पढ़ना चाहते, जिसकी अपेक्षा यूपीएससी करता है। वे वही पढ़ते हैं जो उन्हें अच्छा लगता है। अब आयोग तो आपके स्तर तक आने से रहा और आप ऊपर जाना नहीं चाहते। अगर यही चलता रहा तो रिजल्ट ऐसे ही आएंगे।

दूसरी बात यह कि इन छात्रों का मुकाबला केवल अंग्रेजी मीडियम वालों से नहीं होता बल्कि उन लोगों से भी होता है जो मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, मेडिकल जैसे क्षेत्रों से आए हैं। इन युवाओं का अप्रोच नॉर्मल ऐकडेमिक वालों से बेहतर होता है। यह बात हिंदी मीडियम का छात्र समझने के लिए तैयार नहीं है।

यह भी ध्यान रखने की बात है कि भारत का लोकतंत्र देश की विविधता के साथ परिपक्व हुआ है। इसलिए सिविल सर्वेंट्स का मनोविज्ञान इसके अनुकूल होना चाहिए। भारत में जब सिविल सेवाओं की शुरुआत हुई तो सिविल सर्वेंट्स को लंदन के हेलिवरी कॉलेज में भारतीय इतिहास और संस्कृति के ज्ञान से परिपूर्ण करने के बाद भारत में नियुक्ति दी जाती थी। अब ऐसा नहीं है। अब प्रत्याशी का मकसद परीक्षा पास करना भर रह गया है। पिछले बरसों में देखा गया है कि लोग पाली, उर्दू या पर्शियन लेकर एग्जाम क्वालिफाई कर लेते हैं। इनकी प्रशासन में क्या उपयोगिता हो सकती है? आयोग को देखना चाहिए कि इन वैकल्पिक विषयों को लेने वालों के रिजल्ट अन्य सब्जेक्ट्स वालों की तुलना में बेहतर क्यों होते हैं।

कौटिल्य ने कहा है कि हमें नागरिक सेवा में चरित्रवान लोग चाहिए। हम योग्यता का निर्माण कर लेंगे। क्या यूपीएससी ऐसा मानकर चल पा रहा है? उसने इसके नाम पर एथिक्स का एक पेपर जोड़ दिया है। क्या यह विषय पढ़ने मात्र से प्रत्याशी अपने अंदर नैतिक मूल्यों का निर्माण कर लेते हैं?

आदर्श परीक्षा पैटर्न: जो भी हो, यह विषय बड़ा है और जटिल भी। इसलिए समय-समय पर एक्सपर्ट्स कमिटियों का गठन भी किया जाता है लेकिन अब तक आयोग परीक्षा का आदर्श पैटर्न बना नहीं पाया है। आयोग को यह समझने की जरूरत है कि भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था कोई मैकेनिक्स नहीं है, जो संवेदनाओं और सच्चरित्रता के बगैर यांत्रिक रूप से चलती रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

40 हज़ार की स्मैक सहित एक गिरफ्तार

शिवपुरी- पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा अपराध एवं अपराधी के विरुद्ध जीरो टालरेन्स नीति अपनाने के निर्देश दिये जाने के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के निर्देशन में थाना करैरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम जेरवा मे नरेन्द्रसिंह गुर्जर के हार पर जाकर दविश देकर उसके कब्जे से 4 ग्राम स्मैक पाउडर कीमती 40,000 रुपये बरामद किया गया। आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 371/23 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी से बरामद शुदा मादक पदार्थ स्मैक के सप्लायरों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

आईटीआई विशिष्ट प्लेसमेंट ड्राईव का आयोजन 21 को

खण्डवा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सिहाड़ा रोड आनंद नगर खण्डवा द्वारा एक दिवसीय आई.टी.आई. विशिष्ट प्लेसमेंट ड्राईव का आयोजन 21 जून को प्रातः 10 बजे से संस्था परिसर में आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था खण्डवा श्री जी.पी. तिवारी द्वारा बताया गया कि प्रतिष्ठित कंपनी जे.बी.एम. ग्रुप (नासिक एवं पुणे के लिए) अप्रेन्टिसशिप एवं ऑनजॉब ट्रेनिंग हेतु ट्रेड फिटर, वेल्डर, टर्नर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिष्ट शीट मेटल्स वर्क, टूल एण्ड डाई मेकर एवं प्लम्बर पद पर रखा जायेगा। उन्होंने बताया कि इस प्लेसमेंट में आई.टी.आई. उत्तीर्ण एवं जिनका रिजल्ट आना बाकी है ऐसे प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी इस विशिष्ट प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेना चाहते है अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं उनकी छायाप्रति के दो-दो सेट बायोडाटा तथा आईडी प्रूफ आधार कार्ड, पेन कार्ड, तीन पासपोर्ट साइज फोटो सहित शासकीय आई.टी.आई. खण्डवा में साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है। उन्होंने बताया कि कम्पनी द्वारा भर्ती अपनी शर्तो के आधार पर की जाएगी। साक्षात्कार के समय कम्पनी से सभी जानकारी स्वयं प्राप्त करें। विस्तृत जानकारी के लिए जिले के नोडल टीपीओ श्री आर.के. चौरे से सम्पर्क कर सकते है।

अपना आधार डॉक्यूमेंट अपडेट करवाएं

खण्डवा। विगत दस वर्षों के दौरान आधार नंबर व्यक्ति की पहचान के प्रमाण के रूप में उभरा है। आधार नंबर का उपयोग विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिए किया जा रहा है। इन योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिए व्यक्तिगत नवीनतम विवरण से आधार डाटा को अपडेट रखना है, ताकि आधार प्रमाणीकरण/सत्यापन में असुविधा न हो। जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री अनिल चंदेल ने बताया कि ऐसे व्यक्ति जिन्होंने अपना आधार 10 वर्ष पूर्व बनवाया था एवं तदोपरांत इन सालों में कभी अपडेट भी नहीं करवाया है, ऐसे आधार नंबर धारकों को डॉक्यूमेंट अपडेट करवाने का आग्रह किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में आधार नंबर धारकों को यूआईडीएआई ने डॉक्यूमेंट अपडेट को एक नई सुविधा विकसित की है। इस सुविधा को माय आधार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन एक्सेस किया जा सकता है या इसका लाभ उठाने के लिए किसी भी नजदीकी नामांकन केंद्र पर भी जा सकते है। नई सुविधा आधार धारकों को उनके आधार में व्यक्तिगत पहचान के प्रमाण और पते के प्रमाण दस्तावेजों को अद्यतन करने की अनुमति देती है। उन्होंने बताया कि आधार केन्द्रों पर जाकर डॉक्यूमेंट अपडेट करने पर 50 रूपये का शुल्क देना होगा। नागरिक माय आधार पोर्टल पर जाकर निःशुल्क डॉक्यूमेंट अपडेट सुविधा का लाभ उठा सकते है।

आर्थिक सहायता

धार, । कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत नालछा निवासी लखन पिता हुकुमचंद प्रजापत को बीमारी के उपचार के लिए 2 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार मनावर तहसील के ग्राम चिकन्याखेडी के संतोष पिता भुवानसिंह भवेल को बीमारी के उपचार के लिए 65 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

सीएमएचओ डॉ. त्रिवेदी ने 108 एम्बुलेंस के पायलेट को सेवा से किया पृथक

दमोह प्रत्येक मरीज को निःशुल्क वाहन समय पर उपलब्ध हो इसके लिये प्रदेश एवं जिले में 108 इमर्जेंसी एम्बुलेंस सेवाऐं राज्य शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित की जा रही है। जिसमें मातृ एवं शिशु हेतु जननी वाहन एवं अन्य विशेष परिस्थितियां यथा एक्सीडेंट, अन्य संभीर समस्या होने पर 108 एम्बुलेंस सेवा दी जा रही है। सीएमएचओ डॉ.त्रिवेदी ने बताया गत दिनों एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें जननी का पायलट राघवेन्द्र चौबे द्वारा जिला अस्पताल से डिचार्ज मरीज को घर छोड़ने के एवज में पैसे की मांग की गई थी। जिसकी जानकारी मिलने पर अनुबंधित संस्था के संचालक को बुलाकर त्वरित कार्यवाही करने के साथ जननी एम्बुलेंस पायलट द्वारा की गई अनियमितता के विरूद्ध तत्काल प्रभाव से पायलट राघवेन्द्र चौबे को पद से पृथक करने के निर्देश दिये जिसका अनुबंधित संस्था द्वारा पालन करते हुये संस्था से पृथक कर दिया है। संचालक द्वारा लिखित में आश्वासन दिया गया को भविष्य में ऐसी गलती नहीं दुहराई जायेगी। उन्होंने कहा भविष्य में पुनः इस प्रकार की अनिमित्ता पायी गई तो शासन दिशा-निर्देशों के अनुरूप जुर्माना/चार्ज लगाते हुये संस्था के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी

फरार आरोपी की सूचना देने पर इनाम घोषित

छतरपुर। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन, सागर ने फरार आरोपी को पकड़वाने या सूचना देने के संबंध में पूर्व से घोषित नगद पुरस्कार में वृद्धि की है। फरार आरोपी कल्लू पटेल पिता रघुनंदन निवासी मवई घाट थाना गौरिहार की गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये से वृद्धि करते हुये 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

15 अगस्त तक मत्स्याखेट प्रतिबंधित

छतरपुर। मत्स्य संरक्षण हेतु मध्यप्रदेश मत्स्योद्योग अधिनियम 1948 की धारा 3 के अंतर्गत नदीय नियम 1972 की धारा-3 की उपधारा (2) के तहत मत्स्य प्रजनन काल 16 जून से 15 अगस्त की अवधि बंद ऋतु घोषित की गई है। जिसमें मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन एवं मत्स्य विपणन प्रतिबंधित है। छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी से नही है और जो निदिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है। को छोड़कर समस्त नदियों एवं जलाशयों में बंद ऋतु में मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। मध्यप्रदेश मत्स्योद्योग नियम 1948 में संशोधन कर मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघन करने पर दोष सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास या पाँच हजार रूपये का जुर्माना या दोनो से दंडित किये जाने का प्रावधान है। इस अवधि में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट मत्स्य विक्रय मत्स्य परिवहन न तो स्वंय करें और न ही इस कार्य में अन्य को सहयोग करें।

कहीं मेंटेनेंस तो कहीं कटौती के झटके

कांग्रेस ने किया बिजली विभाग के दफ्तर का घेराव

इटारसी // बिजली मेंटेनेंस ओर कटौती को लेकर शहर की जनता परेशान है यहां मौजूदा सरकार में होने के बाद भी भाजपाइयों को विद्युत विभाग अड़ियल रवैया का विरोध करने को मजबूर हो गयी। इटारसी शहर में भाजपा विधायक कि मजबूत पेट होने के बाद भी बिजली कटौती एवं मेंटेनेंस समस्या घटने का नाम नहीं ले रही है , इसका जीता जागता उदाहरण कावेरी स्टेट कॉलोनी में देखने को मिला यहां ?खराब ट्रांसफार्मर को लेकर भाजपा कार्यकर्ता विधायक से मिले तब जाकर विद्युत विभाग के अधिकारी निराकरण के लिए पहुंचे , वहीं कांग्रेस ने भी बिजली की आंख मिचोली के खिलाफ शुक्रवार को बिजली दफ्तर का घराव करते हुए प्रदर्शन कर ज्ञापन देकर चेतावनी दी कि अगर विद्युत व्यवस्था सही सुचारू नहीं हुई तो हाईवे पर चक्का जाम किया जाएगा।

ज्ञात हो कि विगत दिनों भाजपा कार्यकर्ताओ ने शहर की एक होटल में भले ही लालटेन लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के उस दौर के लिए कोसते नजर आए थे, तब उनके मुख्यमंत्री के कार्यकाल में बिजली कई बार आतीं-जाती थी यह बात अलग है कि उस समय बिजली का उत्पादन उतना नहीं था जितना कि आज। लेकिन आज के हालात बद से बदतर हो गए हैं दिग्विजय सिंह का कार्यकाल भी मानों पीछे छूट गया हो। आज़ बिजली की आंख मिचौली से आम जनता परेशान है। भीषण गर्मी में जहां पारा 40 से ऊपर जा रहा हो कि स्थिति में 24 घंटे में कई बार नागरिकों को बिजली विभाग की आंख मिचौली का सामना करना पड़ रहा है। शहर के हर इलाके में? हर कभी ट्रांसफार्मरों जल जाना खराब हो जाना - आखिर क्यों ? जब मेंटेनेंस के नाम पर हर हमेशा घंटों लाइट गोल कर मेंटेनेंस किया जाता है तो फिर करंट का झटका क्यों हैं। बात करने पर विद्युत विभाग के अधिकारी यह बोलकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि तेज गर्मी में लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर जल जाते हैं।

कांग्रेसियों ने किया विरोध प्रदर्शन

कल नगर कांग्रेस ने पहली लाइन से जुलूस निकाल कर भारी प्रदर्शन किया इस दौरान पूर्व मंत्री विजय दुबे काकू भाई ,नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष रवि जायसवाल ,अनिल अवस्थी, श्रीमती नीलम गांधी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल ,पूर्व नगर अध्यक्ष पंकज राठौर ,जितेंद्र ओझा , गज्जू तिवारी इत्यादि कांग्रेसियों ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों को चेतावनी दि की अगर एक सप्ताह में व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

शहर के सभी इलाकों के उपभोक्ता बिजली विभाग की लचर कार्यप्रणाली से परेशान और नाराज हैं । विभाग द्वारा बिना सूचना के कभी भी घंटों के लिए विद्युत प्रदाय बंद कर दिया जाता है ,आखिर उपभोक्ता अपनी समस्या लेकर कहां जाएं। उपभोक्ताओं के बिल पहले से अधिक आ रहे हैं बिल जमा करने में 1 दिन की देरी होने पर ही विद्युत कनेक्शन विच्छेद कर दिया जाता है। मेंटेनेंस कटौती के बाद थोड़ी सी वर्षा आंधी हवा चलने पर ही बिजली क्यों बंद कर हो जाती है । और अगर बिजली बंद की जाती है, तो मेंटेनेंस का क्या ओचित्य । कुल मिलाकर बिजली विभाग की अव्यवस्था से आम उपभोक्ता बुरी तरह त्रस्त और परेशान है। ज्ञात हो कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने पिछले दिनों पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नगर आगमन पर लालटेन लेकर प्रदर्शन किया था जिसमें वह 20 साल पुराने उनके कार्यकाल को जनता के सामने लाना चाह रहे थे कि दिग्विजय सिंह के मुख्यमंत्री कार्यकाल में बिजली व्यवस्था कैसी थी। जबकि वर्तमान में बिजली की सप्लाई व्यवस्था दिग्विजय सिंह के कार्यकाल से भी बद से बदतर हो गई है। कावेरी स्टेट के भाजपा नेता और उपभोक्ता पिछले कई दिनों से बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं, कालोनी में भाजपा नेता मनीष ठाकुर ने बताया कि काबरी स्टेट में 3 ट्रांसफार्मर लगे हुए थे ,जिनमें से एक के बाद एक दो ट्रांसफार्मर जल गए बिजली विभाग के अधिकारियों ने उन दो ट्रांसफार्मरों का भी लोड तीसरे ट्रांसफार्मर पर शिफ्ट कर दिया, जिसके कारण लोड बढ़ने से दिन में कई बार बिजली ट्रिप मार रही है , उनके द्वारा अधिकारियों को कहने के बावजूद जब व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो सभी उपभोक्ता विधायक डॉ सीताशरण शर्मा से मिले । डॉ शर्मा ने उनकी समस्याओं को सुना और तत्काल विद्युत विभाग के अधिकारियों को फोन लगाकर समस्या का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिया तब कहीं जाकर बिजली विभाग के शहर प्रबंधक अभिषेक कनोजे कावेरी स्टेट पहुंचे और वहां के उपभोक्ताओं से मिलकर समस्या का निदान करने का प्रयास किया। मनीष ठाकुर ने बताया कि दूर ट्रांसफर जो खराब थे उनमें से एक ट्रांसफार्मर दुरुस्त कर दिया गया ।

फर्जी विकलांग सर्टीफिकेट लगाकर ली नौकरी ,एफआईआर की तैयारी

शिवपुरी - जिले में पिछले शैक्षणिक सत्र के दौरान हुई शिक्षक भर्ती में शिवपुरी जिले के स्कूलों में सेवाएं दे रहे सात शिक्षकों को कूट रचित दिव्यांग प्रमाण पत्र से आरक्षित दिव्यांग श्रेणी में नौकरी हासिल करने व नियुक्ति के समय शपथ पत्र में असत्य जानकारी देने के चलते नियुक्ति समाप्त कर दी गई है व एफआईआर भी दर्ज कराई जा रही है। सभी सातों अभ्यार्थी मुरैना जिले के मूल निवासी हैं और जांच के दौरान उनके दिव्यांग प्रमाण पत्र कूट रचित पाए गये थे। इन्होंने अलग-अलग कैटेगरी में कूटरचित दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवा कर आरक्षण का लाभ लेते हुए शिवपुरी जिले के विभिन्न स्कूलों में नियुक्ति हासिल कर ली थी। कार्यवाही की जद में आए सात में से पांच प्राथमिक शिक्षक जबकि एक मावि व एक उमावि शिक्षक है।इनमें कन्या प्राथमिक विद्यालय लुकवासा में पदस्थ गिर्राज किशोर शाक्य निवासी वार्ड क्रमांक-4 ग्राम शेखपुर कैलारस जिला मुरैना, कन्या प्रावि आमखेड़ा में पदस्थ अशोक मीणा निवासी मड़ेवा टैंटरा सबलगढ़ जिला मुरैना, हाई स्कूल बसई में पदस्थ शत्रुघ्न शर्मा निवासी पुरानी सब्जी मंडी रोड सरस्वती बिहार कालोनी कैलारस जिला मुरैना, हाई स्कूल एरावनी में पदस्थ मनोज कुमार गौर ग्राम जलालपुर पोस्ट बघेल तहसील जौरा जिला मुरैना व माध्यमिक विद्यालय बक्सपुर में पदस्थ माला वर्मा निवासी ग्राम दीपेरा तहसील कैलारस जिला मुरैना शामिल हैं। नियुक्ति समाप्ति के आदेश जिला शिक्षा अधिकारी समर सिंह राठौड ने जारी कर दिए हैं। जबकि 6 जून 2021 से शिवपुरी के मावि चमरौआ में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक धर्मेंद्र सिंह पुत्र हरेंद्र कुमार निवासी ग्राम व पोस्ट दीपेरा तहसील कैलारस जिला मुरैना की नियुक्ति संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा ग्वालियर संभाग दीपक पांडे ने समाप्त की है। इसी तरह 24 जून 2022 से उच्च माध्यमिक शिक्षक जीव विज्ञान के पद पर शिवपुरी के उमावि बामौर डामरौन पिछोर में पदस्थ मनोरमा पुत्री ऋषिकेश शर्मा निवासी वीर सावरकर मार्ग पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी मुरैना को आयुक्त लोक शिक्षण अनुभा श्रीवास्तव ने बर्खास्त कर दिया है।

इनका कहना है

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा कराई गई जांच दिव्यांगता प्रमाण पत्र कूट रचित पाए गये।पांचों प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति जिला स्तर से हमने तत्काल समाप्त करते हुए आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के लिए प्रस्ताव पुलिस अधीक्षक को भेज दिया है। वहीं एक माध्यमिक शिक्षक की नियुक्ति संभागीय संयुक्त संचालक ग्वालियर तथा उच्च माध्यमिक शिक्षक की नियुक्ति आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा समाप्त की गई है।

समर सिंह राठौड़,डीईओ

कोतवाली पुलिस ने पकड़ी चोरी प्रेस नोट जारी कर दी जानकारी

दमोह थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हुई चोरी पकड़ने मे मिली बडी सफलता मागंज वार्ड 3 दमोह से चोरी हुये 03 गैस सिलेंडर 04 बोरी मटर एवं टीव्हीएस मोटरसाईकिल की बरामद घटना का संक्षिप्त विवरण पुलिस अधीक्षक दमोह राकेश सिंह द्वारा चोरी एवं नकबजनी के अपराधियों की धरपकड़ हेतु एवं चोरी गये मशरूका बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया था जो पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में एवं अति0 पुलिस अधीक्षक शिवकुमार सिंह दमोह एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय दमोह भावना दांगी के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी कोतवाली विजय राजपूत नेतृत्व मे गठित टीम की जो कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार तलाश कर आरोपी योगेश पिता मूलचंद पटेल उम्र 20 निवासी न्यू ब्रिज के पास सतावडिया थाना दमोह देहात एवं एक अन्य से थाना कोतवाली के अप.क्र. 521/23 धारा 457,380 ताहि मे चोरी हुये 03 गैस सिलेंडर एवं 4 बोरी मटर की एवं चोरी मे प्रयुक्त मोटरसाईकिल आरोपियो के घर से बरामद किये। मशरूका 1.03 गैस सिलेंडर 05 बोरी मटर एवं एक टीव्हीएस मोटरसाईकिल आरोपी योगेश पिता मूलचंद पटैल उम्र 20 निवासी न्यू ब्रिज के पास सतावडिया थाना दमोह देहात सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों के नाम थाना प्रभारी कोतवाली निरी. विजय राजपूत, सउनि रघुवीर सिंह, सउनि साहब सिंह, प्रधान आरक्षक महेन्द्र आरक्षक नरेन्द्र, आरक्षक रामकुमार आरक्षक ललित आरक्षक नितिन आरक्षक मनोज आरक्षक बिष्णु

मोंटी कारलों कंपनी से प्रधानमंत्री आवास योजना की 5 करोड़ 92 लाख की राशि ली गई वापस

सिवनी- नगरपालिका अंतर्गत कंडीपार सिवनी में एएचपी घटक के अंतर्गत निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के बनने वाले आवासों का निर्माण कार्य मोंटी कारलो लिमिटेड कंपनी द्वारा कराया जा रहा था उक्त कंपनी के ठेकेदार द्वारा प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण कार्य अधूरा कर बीच में ही कार्य बंद कर दिया गया था।

जैसे ही नगरपालिका में कांग्रेस की सरकार गठित हुई इसके बाद से लगातार पत्राचार के माध्यम से ठेकेदार के विरूध्द कार्यवाही कर अग्रिम की गई भुगतान की राशि वापस करने हेतु प्रशासन को पत्र लिखा गया। प्रशासन द्वारा कार्यवाही की गई तथा मोंटी कारलो कंपनी के द्वारा दिनांक 14 जून 2023 को निकाय के खाते में पांच करोड़ 92 लाख रूपये की राशि जमा की गई है। जिसमें 2 करोड़ पांच लाख रूपये की ब्याज राशि सम्मिलित है। नगरपालिका अध्यक्ष शफीक खान ने गत दिवस नपा परिषद के अध्यक्ष कक्ष में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि उक्त राशि का उपयोग नगरपालिका सिवनी द्वारा कंडीपार में अधूरे बने प्रधानमंत्री आवासों के निर्माण कार्य में लगाया जावेगा एवं नपा द्वारा शीघ्र ही कंडीपार में प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण कार्य कराया जावेगा एवं नगर के नागरिकों को उनका हक प्रदान किया जावेगा।

शफीक खान ने पत्रकारों से जानकारी उपलब्ध कराते हुए आगे बताया किशहर के मध्य दलसागर तालाब में राजा दलपत शाह की प्रतिमा स्थापित करते हुए चारों ओर सुमधुर संगीत व आकर्षक लाईटिंग के मध्य हर उम्र के नागरिकों के लिए पैदल घूमने का मार्ग बनाया जाएगा, एम एल बी रोड किनारे लगी दुकानों को व्यवस्थित किया जाएगा साथ ही अलग से नगर के शंकराचार्य पार्क का 5 करोड़ से ज्यादा की राशि से नवनिर्माण कराया जाएगा। फिलहाल पार्क में 65 लाख से कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। छिंदवाड़ा चौक में 25 लाख रुपए की लागत से शंकराचार्य स्तंभ का निर्माण कराया जाएगा।

पिछले माह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सामने 9 माह पुराना खुलासा करने वाले नगर पालिका अध्यक्ष शफीक खान ने अब एक और धमाका किया है। उन्होंने तत्कालीन सीएमओ नवनीत पाण्डेय को निशाने पर लेते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

अतिवृष्टि, बाढ़ में राहत तथा बचाव संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण रहें- कलेक्टर श्री मिश्रा

बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन पर नोडल अधिकारियों को निर्देश

धार, । जिले में आगामी वर्षा काल में अतिवृष्टि एवं बाढ़ से उत्पन्न स्थितियों में राहत और बचाव संबंधी सभी तैयारियां सुनिश्चित रहें । बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों एवं निचले स्थानों के संभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत एवं बचाव की पूरी तैयारी रखें। यह निर्देश कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन के सिलसिले में नियुक्त नोडल अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में नदी-नालों के किनारे बसी आबादी, शहर के निचले इलाके एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल-जमाव से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों की पहचान कर राहत एवं बचाव के पुख्ता प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि सभी जनपद पंचायत के सीईओ और नगरीय निकाय के सीएमओ से जल-जमाव से प्रभावित होने वाले इलाकों की सूची मंगाए और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कहां शिफ्ट किया जाएगा, उन स्कूल, पंचायत अन्य भवनों की सूची भी मंगाए। लोक निर्माण और पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को पुल-पुलिया पर पानी आने की स्थिति में बैरियर एवं सूचना पटल लगाने के निर्देश दिए।कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय में नाले और नालियों की सफाई का कार्य पूर्ण कर लें, ताकि जल-जमाव नहीं हो। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को बड़े बांधों के जल स्तर पर निगाह रखने और बरसात में क्षतिग्रस्त हो सकने वाले बांधों की मरम्मत सुधार के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण बस्तियों में आबादी के नजदीक के तालाबों को भी सूचीबद्ध करके रखें। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर नियंत्रण कक्ष भी 24 घंटे कार्यरत रहे। जिला होमगार्ड और तहसील स्तर पर उपलब्ध बचाव उपकरण एवं संसाधनों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि सभी बचाव उपकरण को चालू हालत में रखे और स्थानीय गोताखोर या तैराको की लिस्ट भी बनाए। बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के लिए सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। बाढ़ की स्थिति होने पर राहत शिविर लगाने के स्थान का चयन से लेकर बचाव दल, राहत उपकरण, दवाओं, खाद्य सामग्री की आपूर्ति तथा बिजली, पानी की व्यवस्था से जुड़ी सभी तैयारियां पूर्ण करें। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि वर्षा के दौरान विभिन्न बीमारियों, जीव-जन्तुओं के काटने की घटनाओं के मद्देनज़र पर्याप्त संख्या में दवाईयाँ व पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

इश्तहार

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संगीता तिवारी पत्नि श्री अजय तिवारी द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया कि मेरे द्वारा नामांतरण पंजी क्रमांक 29 आदेश दिनांक 22.12.2000 द्वारा ग्राम समरधा कलियासोत स्थित भूमि सर्वे नंबर 76/1/1 रकबा 0.24 डेसीमल एवं 76/1/3/1 रकबा 0.87 एवं 76/1/3 रकबा 0.48 डेसीमल के नामांतरण उपरांत भी अमल न होने के कारण राजस्व अभिलेख में अमल हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार तहसील कोलार में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त आवेदन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में सुनवाई दिनांक 23.06.2023 को समय प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

आदेशानुसार,
प्रवाचक तहसीलदार तहसील
कोलार जिला भोपाल

युवा ने प्रथम रक्तदान से गर्भवती महिला और उसके नवजात शिशु को दिया जीवनदान

छतरपुर। आपाजी ब्लड ग्रुप के रफत खान ने बताया कि नीलम चौरसिया महाराजपुर की डिलवरी होना थी किंतु उनका रेयर ब्लड ग्रुप ओ नेगेटिव होने के कारण काफी प्रयास के बाद भी परिजन व्यवस्था नही कर पा रहे थे उक्त नेगेटिव ग्रूप का ब्लड बैंक में भी अभाव था यह जानकारी डॉ अरुणेंद्र शुक्ला ब्लड बैंक अधिकारी द्वारा आपाजी ब्लड ग्रुप को दी गयी और उनकी मदद करने के लिए कहा गया तब ग्रूप के प्रयाश से अरबाज़ खान ने आगे आकर जीवन का प्रथम रक्तदान करते हुए जननी और उसके गरवस्थ शिशु का जीवन सुरक्षित किया उनका कहना है ऊपरवाला सब देख रहा है इंसानियत से बढ़कर कोई धर्म नही मेरे लहू से किसी के आंगन में खुशियां आ गयी मेरे लिए इससे ज्यादा हर्ष की बात कुछ नही नही हो सकती जननी के परिजनों ने अरबाज़ खान के इस मानवीय कार्य के लिए और आपाजी ब्लड ग्रुप के सार्थक प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया और साथ ही डॉ अरुणेन्द्र शुक्ला का भी धन्यबाद प्रेषित किया

35 करोड़ से बन रहे जिला अस्पताल के दो विंग

छतरपुर। जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज का कार्य भले ही कछुआ चाल से चल रहा हो लेकिन जिला अस्पताल के लिए दो भवन स्वीकृत हुए हैं। एक भवन में गहन चिकित्सा इकाई और दूसरे में मेटरनिटी वार्ड संचालित होगा। इन दोनों भवनों को बनाने में करीब 35 करोड़ रूपए का खर्च आने वाला है। राशि स्वीकृत हो गई है तथा धरातल पर काम भी शुरू हो गया है। इन भवनों में मेडिकल कॉलेज की सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास होगा।

100 बिस्तर का क्रिकिटल केयर ब्लॉक बनाए जाने के बारे में बिल्डिंग डेवलपमेंट अथॉरिटी के महाप्रबंधक अच्छेलाल अहिरवार ने बताया कि 24 करोड़ 42 लाख की लागत से भवन निर्माण होगा और इसके बाद करीब 4 करोड़ की मशीनें ब्लॉक में लगाई जाएंगी।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 739/06/पीआरओ/भोविप्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 16/06/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की स्वामी विवेकानंद परिसर कटारा हिल्स योजना में स्थित भूखण्ड क्रं. 141 सेक्टर बी कटारा हिल्स श्री जी.डी. दयारामानी आत्मज स्व.श्री डी.डी. दयारामानी के नाम अंकित है। आवंटी श्री जी.डी. दयारामानी का स्वर्गवास दिनांक 09.09.20 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिस श्रीमती सुशीला दयारामानी, श्री विजय कुमार दयारामानी, श्री विनय दयारामानी एवं श्री विभव दयारामानी द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम पर चहा है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

यह कैसा अमृत महोत्सव जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के गाँव आज भी अंधकार में

बाड़ी। रायसेन जिले की भोजपुर विधानसभा क्षेत्र बैसे तो मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा जी की कर्मभूमि रही उनके बाद उनके दत्तक पुत्र सुरेन्द्र पटवा तीन पंचवर्षीय से भोजपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं .लेकिन उनकी ही विधानसभा में सिंघोरी अभ्यारण क्षेत्र में आने वाले आदिवासी बहुल क्षेत्र में जिसमें राजस्व गाँव भी शामिल हैं उनमें रहबासियों ने आजतक बिजली के होल्डर कैसे होते हैं यह देखने को तरस रहे हैं। क्षेत्र में नवोदित नेता के अथक प्रयासों से क्या क्षेत्र में पहुँचेंगे बिजली ।भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का साथ उठने बैठने बाले क्षेत्र के ही नेता गणेश मालवीय जो वर्तमान में राष्ट्रीय महा संपर्क अभियान के प्रदेश संयोजक हैं बह भोजपुर विधानसभा में विगत एक बर्ष से अधिक समय से क्षेत्र में सक्रियता के साथ गाँव गाँव अपनी पैठ बना रहे और जो संभव हो बह उनकी समस्याओं का निराकरण भी उच्च स्तर से कराने में सफलता पा रहे हैं ।बाड़ी तहसील के दस गाँव होगे रोशन। ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के समय गणेश मालवीय अपनी टीम के साथ बाड़ी तहसील के अंतर्गत आने वाले सिंघोरी अभ्यारण्य व राजस्व गाँवों में बिजली के पोल तक नहीं पहुँचने की बात सामने आई और उन्होंने अपने प्रयासों से बिजली विभाग से इन गाँवों को बिजली पहुँचाने की विभागीय स्वीकृति प्रस्ताव पास करा दिया दस गांवों में दो करोड़ पैंतालीस लाख रुपए की लागत से लगभग 43 किलोमीटर लंबी बिजली लाइन बिछाने की स्वीकृति प्रस्तावित कर दी है। भोजपुर विधानसभा के आदिवासी बाहुल्य डगडगा, पन झिरपा, डूंडादेह, खैरी चौका, चमरिया खमरिया, जैतपुर, सजोली, काला झोरा, नीलगढ़ और धुंधवानी गांव आजादी के 75 साल बाद उजाले से जगमगाने की आस ग्रामबासियों में जाग उठी । नीलगढ़ की श्रीमती मथुरा बाई चीचाम, जैतपुर के नेपाल सिंह धुर्वे और दिनेश इमने बताते है कि पहले हम ग्रामीण आदिवासियों की सुध लेने वाला कोई नहीं था। विधायक सांसद सहित सभी नेता सिर्फ आश्वासन देते रहे लेकिन बिजली नहीं ला सके।नीलगढ़ के ग्राम मुकद्दम भगवत सिंह भल्लावी, चैन सिंह भल्लावी और जैतपुर के हरनाम सिंह ने बताया कि बिजली आने की खबर से सभी आदिवासी ग्रामीण बहुत खुश हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

वीर सावरकर जोन क्रं. 04 (मंगलवारा)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भोपाल जोन क्रं. 04 के वार्ड क्रं. 17 में स्थित वर्गीकृत बाजार न्यू कबाडखाना के भूखण्ड क्रं. 525 एवं 526 का नामांतरण किये जाने हेतु विज्ञप्ति प्रकाशन किया जाना है जिनके नामों का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	जोन क्रं.	वार्ड क्रं.	आवंटी का नाम	स्थान एवं भूखण्ड	आकार	नामांतरा हेतु प्रस्तुत आवेदक का नाम	नामांतरण का आधार
1	4	17	श्री चन्द्र मोहर अरोरा एवं श्री अशोक कुमार अरोरा पुत्रगण स्व. श्री किशन लाल आरोरा	भूखण्ड क्रं. 525 वर्गीकृत बाजार	40×60= 2400 वर्गफुट	श्री अमित अरोरा आत्मज श्री चन्द्र मोहन अरोरा	आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं बयान पत्र
2	4	17	श्री चन्द्र मोहर अरोरा एवं श्री अशोक कुमार अरोरा पुत्रगण स्व. श्री किशन लाल आरोरा	भूखण्ड क्रं. 526 वर्गीकृत बाजार	40×60= 2400 वर्गफुट	श्रीमती रीटा अरोरा पत्नी श्री अशोक कुमार अरोरा	आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं बयान पत्र

उपरोक्त भूखण्ड के नामांरण पर किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो सूचना पत्र के 15 दिवस के भीतर जोन कार्यालय क्रं. 04 वार्ड क्रं. 17 के कार्यालय में शपथ पत्र मय साक्ष्य के प्रस्तुत करें। नियत समयावधि में यदि कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह माना जावेगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है और प्रकरण में विधिवत नामांतरण हेतु कार्यवाही कर दी जावेगी।

सू.क्रं. 506/023/024

जोनल अधिकारी
जोन क्रं. 04, नगर पालिक निगम, भोपाल

सैमसंग ने सॉल्व फॉर टुमॉरो 2023 की टॉप 30 टीमों की घोषणा की

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया ने आज अपने यूथ एजुकेशन एवं इनोवेशन कॉम्पटीशन सॉल्व फॉर टुमॉरो की टॉप 30 टीमों की घोषणा कर दी है। सैमसंग ने इस प्रतियोगिता की शुरुआत देश के युवाओं के बीच आधुनिक सोच को विकसित करने और समस्या का समाधान करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की है। इस प्रतियोगिता में 16-22 वर्ष के युवाओं की ओर से चार विषयों से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आइडिया आमंत्रित किए हैं। इन चार विषयों में एजुकेशन एवं लर्निंग, हेल्थ एवं वैलनेस, एन्वायरमेंट एवं सस्टेनेबिलिटी और डायवर्सिटी एवं इनक्लूजन शामिल हैं। सॉल्व फॉर टुमॉरो 2023 में पूरे देश भर से टीमें शामिल हो रही हैं। इन टीमों ने भारत की विभिन्न समस्याओं के समाधान से जुड़े आइडिया पेश किए हैं। प्रतियोगिता को देश के 500 शहरों, कस्बों और गांवों के युवाओं की ओर से 70,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। युवाओं की इतनी बड़ी सं या भारत के इनोवेशन और उद्यमशीलता को लेकर बढ़ते जोश की एक झलक पेश करती है।इस सीएसआर प्रोग्राम के इस दूसरे साल के लिए, सैमसंग इंडिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब और दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ साझेदारी की है।प्रतियोगिता में शामिल टॉप 30 टीमों में से, 44त्न ने एजुकेशन एवं लर्निंग से जुड़े आइडिया पेश किए हैं। इसके अलावा 23त्न टीमों ने एन्वायरमेंट एवं सस्टेनेबिलिटी पर, 20त्न ने डायवर्सिटी एवं इनक्लूजन पर और 13त्न ने हेल्थ एवं वैलनेस पर अपने आइडिया पेश किए हैं।

इंडियाज़ बेस्ट डांसर 3 के दोस्ती स्पेशल में अक्षय पाल के दोस्त और मेंटर पॉल मार्शल ने उन्हें दिया एक स्वीट सरप्राइज़!

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के देसी डांस रियलिटी शो इंडियाज़ बेस्ट डांसर 3 में इस रविवार दोस्ती स्पेशल एपिसोड के साथ मनोरंजन का स्तर और ऊपर उठ जाएगा! दोस्ती के खूबसूरत रिश्ते को सेलिब्रेट करते हुए सभी कंटेस्टेंट्स अपने कोरियोग्राफर्स के साथ मिलकर कुछ दिल छू लेने वाले एक्ट्स पेश करेंगे, जिनमें वो बड़ी खूबसूरती से यह बताएंगे कि उनके लिए दोस्ती के क्या मायने हैं! इस मौके पर कंटेस्टेंट अक्षय पाल और कोरियोग्राफर वर्तिका झा दर्शकों के लिए एक बढ़िया परफॉर्मेंस लेकर आएंगे, जिसमें वो दिलकश ट्रैक सुन री सखी पर डांस करके सभी को मंत्रमुग्ध कर देंगे। दोस्ती स्पेशल में अक्षय के लिए एक स्पेशल मोमेंट होगा, जब मशहूर कोरियोग्राफर पॉल मार्शल इस शो में एक सरप्राइज़ विज़िट देंगे। अक्षय की शानदार परफॉर्मेंस पर स्टैंडिंग ओवेशन देते हुए पॉल मार्शल अक्षय के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बताएंगे, जिसकी शुरुआत 10 साल पहले हुई थी। पॉल बताएंगे, जब अक्षय 13 साल के थे, तब हम एक डांस रियलिटी शो में थे। मुझे लगता है कि उस समय सभी बच्चों में अक्षय बेस्ट पॉपर थे।

भारत जोड़ो यात्री परेश नागर बने प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव, ब्लॉक कांग्रेसियों मैं खुशी की लहर

औबेदुल्लागंज। प्रदेश कांग्रेस संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज के युवा कांग्रेसी परेश नागर को युवा कांग्रेस मध्यप्रदेश का महासचिव नियुक्त किया गया है। परेश की नियुक्ति पर भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास, मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी अखिलेश यादव, सहप्रभारी मानसिंह राठौर व युवा कांग्रेस मध्यप्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया की अनुशंसा पर परेश को जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौरतलब है कि परेश नागर लंबे समय से कांग्रेस संगठन को मजबूत करने व ज़मीनी संघर्ष करते आये हैं। हाल ही में राहुल गांधी द्वारा निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा में वह पदयात्री रहे हैं वहीं, परेश की ख्याति में यात्रा को लेकर इज़ाफ़ा हुआ है। परेश नागर को मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस में महासचिव बनाये जाने पर रायसेन, मण्डीदीप, औबेदुल्लागंज, बाड़ी, गौहरगंज सहित उनके ग्राम-ग्राम दीवटिया के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बधाई प्रेषित की है। उक्त नियुक्ति पर परेश नागर को औबेदुल्लागंज ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह (राजू), संजय सिंह चौहान, विक्रांत राय, उत्तम यादव, रमेश गौर, रेवा शंकर राय, हरपाल सिंह राजपूत, पमेश यादव, कमलेश बाबा, जीतू नागर आदि सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसियों ने परेश नागर को बधाई दीं।

ग्रामीण हाट, दक्षिण तुको गंज, इंदौर पर दिव्य कला मेला आयोजित किया

नई दिल्ली। योगांश फाउंडेशन के अध्यक्ष सागर राउत द्वारा एक मिशन के तहत दिव्यांग जनों व बेरोजगार महिलाओं को एक ट्रेनिंग के माध्यम से दिव्यांग जनों के अंदर छिपी प्रतिभा को एक मंच प्रदान किया गया है जिसमें कि वह अपने अंदर छिपी प्रतिभा का प्रदर्शन एक विशाल मंच पर कर रहे है। स्टॉल का प्रतिनिधित्व श्री सागर राउत (लाइफ काउंसलर) एवं योगांश फाउंडेशन की टीम कर रहे है, योगांश फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री सागर राउत जो स्वय एक दिव्यांग है दिल्ली में रहने वाले एक उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। उनके पास काउंसलिंग का व्यापक अनुभव है, उन्होंने पिछले 3 वर्षों में 200 से अधिक व्यक्तियों को मुफ्त परामर्श की पेशकश की है। दूसरों की मदद करने की उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें एक गैर-सरकारी संगठन योगांश फाउंडेशन की स्थापना के लिए प्रेरित किया, जो जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने और दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने की इच्छा रखता है। सगर राउत एक लेखक भी है उन्होंने मेरे विचार मेरा नजरिया नामक पुस्तक लिखी है जो सामाजिक समस्याओं पर आधारित है।

Risking life

I am a regular beach walker. This(15.6.2023) morning, I went near the seashore and was mesmerized by the perpetual & soothing sea waves. Gradually, I noticed some fishermen in the middle of the sea risking their life to make both ends meet. My imagination took wings and went further into the realms where people are engaged in various hazardous occupation just to eke out meager earnings to fulfil their familial obligations and basic necessities. I thought about the substantial number of people labouring in deep mines,thousands of feet below sea level, under very arduous, risky and treacherous conditions. The hunter goes to the forest and kills peace loving animals. It is so with butchers, snake catchers, in the process, some times they lose their own lives. It is all to fill the belly twice. Can't they not do other professions than the above? I fervently hope and desire that some safe vocation, alternative jobs are devised, provided for them.They could be retrained, re-skilled and introduced to more productive and safe jobs. These brave bread winners need society support to reskill and contribute to the society and their well being. Men expose themselves to great risks and face unimaginable challenges,like going deep into the bowels of the earth, deep into dangerous oceans and dark and frightening forests to earn a livelihood, for this small period presence on this sojourn. Why we kill - hurt - steal - loot - Please think. Introspect -accumulate only for your needs, let us learn from nature; except human beings, no other living being accumulates, kills, hurts other living beings without any reason.

N SUGALCHAND JAIN
CHENNAI, 17.06.2023

सोना खरीदने वालों की बल्ले बल्ले, 19 जून से खरीदे सस्ते में सोना

आरबीआई लेकर आ रहा ये स्कीम, ऑफर 23 जून तक

इस समय लोग सोने में निवेश करते हैं। ऐसे में अगर आप भी सोने में निवेश करना चाहते हैं तो आपके लिए भारतीय रिजर्व बैंक एक शानदार मौका दे रही है। आरबीआई की तरफ से एक ऐसा ऑफर निकाला गया है जो सीमित समय के लिए हैं, लेकिन इसमें सस्ती कीमत में सोना खरीद सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार अगर आप भी सस्ता सोना खरीद कर निवेश करने की सोच रहे हैं तो देर ना करें और जल्दी ही इस ऑफर का लाभ उठा सकते हैं।

जैसा कि आप सभी जानते हैं सोने चांदी की कीमत इस समय काफी अधिक बढ़ी हुई है, लेकिन भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से एक नया ऑफर निकाला गया है जिसमें सोने में निवेश करने वाले लोग इस ऑफर में सस्ता सोना खरीद सकते हैं। इस ऑफर का लाभ 19 जून से शुरू होगा जो कि 23 जून तक चलेगा।

रिजर्व बैंक ने बीते 2 दिन पहले जानकारी देते हुए बताया था कि चालू वित्तीय वर्ष 2023- 24 में सावरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम निकाली गई है। जिसके तहत 19 जून से 23 जून तक सोने में निवेश करने वाले लोग सस्ते में सोना खरीद सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से बताया गया कि सावरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम कि दूसरी सीरीज को सितंबर 2023 में जारी करेंगे जो सितंबर से 15 सितंबर तक यह जारी रहेगी। इसमें सोने में निवेश करने वाले लोग सोना खरीद सकते हैं।

ऑनलाइन सोना खरीदी पर मिलेगी इतनी छूट

भारतीय रिजर्व बैंक की इस स्कीम के तहत ऑनलाइन सोना खरीदने पर आकर्षक छूट प्रदान की जाती है ।बता दें कि इसकी कीमत भारतीय बुलियन एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन लिमिटेड के द्वारा तय की जाती है। वहीं अगर आप सोना ऑनलाइन खरीद रहे हैं तो इसमें आपको 50 रुपए प्रति 1 ग्राम पर छूट मिलेगी। वही एसजीबी की कीमत 999 शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसमें हर साल 2.50 तक ब्याज मिलता है वही इसके बदले आप लोन भी ले सकते हैं।

व्यापार घाटा पांच महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, निर्यात 10 प्रतिशत फिसलकर 35 अरब डॉलर से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के निर्यात के आंकड़ों में लगातार चौथे महीने में गिरावट दर्ज की गई है। सालाना आधार पर यह मई महीने में 10.3 प्रतिशत फिसल कर 34.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इस दौरान व्यापार घाटा बढ़कर पांच महीनों के उच्चतम स्तर 22.12 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार नकारात्मक वृद्धि दर्ज करने वाले प्रमुख निर्यात क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पाद, र प्रतिशत और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रेडीमेड गारमेंट और रसायन शामिल हैं।

देश के आयात में लगातार छठे महीने गिरावट दर्ज की गई- मई महीने में आयात में भी कमी आई है और इसमें लगातार छठे महीने में गिरावट दर्ज की गई है। देश का आयात 6.6 प्रतिशत घटकर मई में 57.1 अरब डॉलर हो गया है। पिछले साल इस महीने में यह 61.13 अरब डॉलर था। बता दें कि देश का व्यापार घाटा मई 2022 में 22.13 अरब डॉलर था। वहीं दिसंबर 2022 में यह अपने उच्चतम स्तर 23.89 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई के दौरान देश के निर्यात में 11.41 प्रतिशत

की कमी आई है और यह 69.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं इस दौरान देश का आयात 10.24 प्रतिशत घटकर 107 अरब डॉलर हो गया है।

वाणिज्य सचिव बोले- वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर चुनौतियां जारी- वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने आंकड़ों के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार के मोर्चे पर चुनौतियां अब भी जारी हैं क्योंकि कई देशों में काफी मंदी और सुस्ती है। उन्होंने कहा कि कुछ विकसित बाजारों में आर्थिक वृद्धि में गिरावट से आयात मांग प्रभावित हुई है और ओईसीडी देशों में भी मांग कम है।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों पर किया जा रहा ध्यान केंद्रित- हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि विकसित देशों में मांग बढ़ेगी। बर्थवाल ने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि मंदी की स्थिति में सुधार होना चाहिए और मांग में तेजी आनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि मंत्रालय निर्यात को बढ़ावा देने के लिए व्यापारिक रणनीति पर काम कर रहा है। इसके तहत वाणिज्य विभाग, उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), इन्वेस्ट इंडिया और विदेशों में भारतीय मिशन 40 देशों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों सहित इन देशों का भारत के कुल निर्यात में 85 प्रतिशत हिस्सा है।

साल भर में 118 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है गहना बनाने वाली इस कंपनी ने

मुंबई एजेंसी। भारत में ज्वेलरी रिटेल का महत्वपूर्ण प्लेयर है कल्याण ज्वैलर्स। इसका मुख्यालय केरल के त्रिशूर में है। यह भारत में ही नहीं बल्कि पश्चिम एशियाई देशों में गहने बेचता है। तीन दशकों के अनुभव के साथ, कंपनी ने खुद को उद्योग में एक लीडर के रूप में स्थापित किया है। कंपनी की पहचान असाधारण गुणवत्ता, पारदर्शी प्रथाओं, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और नवीन डिजाइनों के लिए जानी जाती है। कल्याण ज्वेलर्स अपने ग्राहकों की विविध प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए सोने, हीरे और कीमती पत्थरों से तैयार किए गए पारंपरिक और समकालीन आभूषणों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। कंपनी पूरे भारत और मध्य पूर्व में 182 शोरूम का संचालन करती है, जिसमें 611,000 वर्ग फुट से अधिक का खुदरा क्षेत्र शामिल है।

इस सीजन में एयर कंडीशनर पर सबसे बड़ी बचत - शुरूआती रु. 24,999/ कल्याण ज्वेलर्स ने हाल ही में स्न्ङ्क23 के लिए अपने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की। कंपनी ने बिक्री में उल्लेखनीय 30 प्रतिशत वृद्धि हासिल किया है। यह बीते साल 14,071.4 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी का श्वक्चढ्ढञ्जष्ठ भी 37 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ 1,114 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी के शुद्ध लाभ को देखें तो यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 93 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 431.9 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

कंपनी पिछले 1 साल में 118 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न देने में सक्षम रही है और अप्रैल 2021 में इसकी लिस्टिंग की तारीख से 68 प्रतिशत रिटर्न मिला है।

विकास में निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय का अहम योगदान होगा, सीईए अनंत नागेश्वरन ने किया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को फिक्की द्वारा आयोजित एक विशेष इंटरैक्टिव सत्र के दौरान देश की विकास संभावना के बारे में आशा व्यक्त की।नागेश्वरन ने कहा कि देश के लिए लगातार दो अच्छे साल रहे हैं, जो कोरोना महामारी की वजह से अनुमानित दबाव से उबरने में मजबूती दर्शाते हैं। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में रिपोर्ट किए गए कम विकास के आंकड़े आधार प्रभाव समायोजन के कारण थे, न कि आर्थिक गति के नुकसान के कारण।

6.5 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान- नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2024 के लिए एक दृष्टिकोण भी पेश किया, जिसमें 6.5 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। यह आंकड़ा वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक दोनों द्वारा समर्थित है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि इस संख्या के आसपास के जोखिम समान रूप से संतुलित हैं, जो इस विकास लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रबल संभावना का सुझाव देते हैं।उनकी बात का एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की प्रत्याशित वृद्धि है।

2027 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद- उन्होंने कहा कि हम 2014 में 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थे और 2027 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रगति के लिए राष्ट्र को ÷सही काम करना÷ जारी रखने की आवश्यकता है। नागेश्वरन ने उल्लेख किया कि 21वीं सदी की शुरुआत के बाद से वैश्विक जीडीपी विकास में भारत का योगदान छह गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि भारत इस साल वैश्विक जीडीपी में तीसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला देश बनने के लिए तैयार है।

निजी खपत पर महामारी के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए नागेश्वरन ने पाया कि असफलताओं के बावजूद, निजी खपत की प्रवृत्ति महामारी के पूर्व स्तर तक पहुंच गई है। नागेश्वरन ने संभावित आपूर्ति व्यवधानों को संभालने के लिए अपनी तत्परता पर जोर देते हुए कृषि क्षेत्र की मजबूती पर प्रकाश डाला। सीईए ने उद्योग, सेवाओं और निर्माण क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि से संचालित अर्थव्यवस्था के मजबूत विस्तार पर भी जोर दिया।

निजी क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय आने वाले वर्षों में विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा- नागेश्वरन- उन्होंने स्टील और सीमेंट उत्पादन के आंकड़ों द्वारा समर्थित कंपनियों के विश्वास पर विस्तार से चर्चा की। महामारी के पहले के रुझानों के अनुरूप महामारी के बाद की वापसी का संकेत देते हुए उन्होंने कहा कि कंपनियों और फर्मों के बीच विश्वास बना हुआ है और वे इसमें विस्तार करना चाहते हैं।

पेज 1 का शेष

अब प्रदेश में अवैध की जगह कागजों में होंगी अनाधिकृत कॉलोनियां

क्या राजनीतिक फायदे के लिए की गई पूरी कवायद- हाईकोर्ट ग्वालियर में याचिका लगाने वाले वकील उमेश बोहरे ने कहा कि सरकार सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए इस तरह का काम करती है। हाईकोर्ट के निर्णय को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज नहीं किया, कोई नियम नहीं है और फिर अवैध कालोनी को वैध करने की घोषणा कर दी। 2018 के चुनाव से पहले भी यही किया गया था। बता दें कि प्रदेश की अवैध कालोनियों में 20 लाख से अधिक लोग रहते हैं।

2019 में हाईकोर्ट के आदेश पर लग गया था झटका- 8 मई 2018 को सरकार ने ग्वालियर में अवैध कॉलोनी को वैध करने की घोषणा की थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ग्वालियर बेंच में एक जनहित याचिका लगाई गई। हाईकोर्ट ने 3 जून 2019 को अवैध कॉलोनियों को वैध करने वाले मप्र नगरपालिका कॉलोनी रजिस्ट्रीकरण, निर्बंधन व शर्त अधिनियम, 1998 की धारा 15 ए पर आपत्ति जताई तथा इस नियम को निरस्त करने की मांग की, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस नियम को निरस्त कर दिया था। इसके बाद अब दोबारा प्रदेश में अवैध कॉलोनियों को वैध करने की प्रोसेस शुरू हुई।

हाईकोर्ट में लग चुकी है अवमानना याचिका- सरकार के लिए अवैध कालोनियों को वैध करना इतना भी आसान नहीं होगा। दरअसल सरकार के निर्णय के खिलाफ 2018 में हाईकोर्ट ग्वालियर के वकील उमेश बोहरे ने याचिका लगाई थी, जिसके बाद 3 जून 2019 को हाईकोर्ट ग्वालियर ने अवैध कालोनी को वैध करने के फैसले को गलत बताया था। अब दोबारा उमेश बोहरे ने 2019 में दिए गए हाईकोर्ट के फैसले विरूद्ध अवैध कालोनियों को वैध करने के मामले में अवमानना याचिका दायर कर दी है। इस मामले में कमीश्नर ग्वालियर और भिंड कलेक्टर को नोटिस भी जारी हुए हैं, लेकिन अब तक शासन की ओर से हाईकोर्ट में कोई भी जवाब दाखिल नहीं हुआ है।

बैतूल कलेक्टर ने 1 महीने बाद भी रेरा को नहीं दी जानकारी- 23 मई 2023 को सीएम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पहले फेज 1122 कॉलोनियों को बिल्डिंग परमीशन दी गई। इसके लिए तैयारियां पहले से चल रही थी। इस प्रक्रिया के तहत बैतूल में दिसंबर 2016 से पूर्व की 302 अवैध कालोनियों में विकास कार्य करने के लिए दावे आपत्ति संबंधी प्रक्रिया की गई। इस अधिसूचना का हवाला देते हुए रेरा यानी रियल इस्टेट रेग्यूलरटी आथोरिटी ने सचिव नीरज दुबे ने जिले की 302 अवैध कॉलोनी के संबंध में दस्तावेज मांगे जो उन्हें उपलब्ध नहीं कराए गए। दरअसल रेरा को धारा 59 की उपधारा 3 में यह अधिकार है कि वह अवैध कॉलोनाइजर पर प्रोजेक्ट कॉस्ट का 10 फीसदी पेनाल्टी लगा सके, लेकिन बैतूल से इस संबंध में कोई जानकारी नहीं मिलने से इस धारा की शक्तियों का प्रयोग ही नहीं हो पा रहा है।

रेरा के नियमों का भी नहीं हो रहा पालन- रेरा एक्सपर्ट निकुंज गर्ग का कहना है कि जिस तरह से अवैध कालोनियों को वैध करने का काम किया जा रहा है, यह बिल्कुल भी गलत है। इससे अवैध कॉलोनाइजर्स को बढ़ा ही मिल रहा है और मिलेगा। रेरा की धारा 3 में यह कहा गया था कि रेरा एक्ट 2016 जब से लागू है तब से लेकर 3 महीने के अंदर कॉलोनाइजर्स कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र संबंधित एजेंसी से ले लें। इन्हें रेरा में पंजीयन की जरूरत नहीं है, पर अवैध कॉलोनाइजर्स ने ऐसा नहीं किया। इसका मतलब ये हुआ कि क्या राज्य सरकार रेरा एक्ट जो कि एक सेंट्रल एक्ट है, उसके उपर भी कोई नियम बना सकती है।

यहां फंस सकता है पेंच- 2019 में भी इसी तरह अवैध कॉलोनियों के वैध करने के लिए शहरी क्षेत्र में नगर पालिका सूची बनाकर नोटिफिकेशन जारी कर रही थी। कुछ जगहों पर निकाय शिविर लगाकर नामांतरण तक कर दिए गए थे। इन नामांतरण पर न्यायालयीन आदेश के अध्ययाधीन की सील लगा दी गई थी। हालांकि हाईकोर्ट के 3 जून 2019 के आर्डर के बाद जब ये कॉलोनियां वैध नहीं हुई तो ऐसे सारे नामांतरण के मामले भी विवादों में आ गए थे। हाईकोर्ट ग्वालियर बेंच में लगाई गई अवमानना याचिका भले ही कमीश्नर ग्वालियर और कलेक्टर भिंड से संबंधित हो, लेकिन सुनवाई के बाद कोर्ट जो भी आदेश देगा उसका असर प्रदेश की सभी अवैध कालोनी को वैध करने वाली प्रोसेस पर पड़ेगा।

अधिकारियों, कॉलोनाइजर्स पर कार्रवाई नहीं, टैक्सपेयर के पैसे दांव पर- सीएम शिवराज ने अपनी घोषणा में स्पष्ट कर दिया कि दिसंबर 2022 के बाद यदि अवैध कालोनी कटी तो अधिकार जिम्मेदार होंगे और उन पर कार्रवाई होगी। इसका मतलब दिसंबर 2022 तक जिन अधिकारियों के संरक्षण में अवैध कॉलोनी फलीफूली उन्हें क्लीनचिट दे दी गई है। लोगों से ?20 फीसदी लिया जाने वाला शुल्क भी माफ कर दिया गया है। कॉलोनाइजर्स अवैध कालोनी में प्लाट बेचकर लाखों करोड़ों कमाकर चला गया है और अब उस कालोनी के विकास के लिए लाखों-करोड़ों टैक्सपेयर की गाढ़ी कमाई से लगने वाले हैं।

बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड: ट्राईकलर एग्रोकेमिकल ब्लेंड बनाने वाली पहली भारतीय कंपनी

होशंगाबाद। भारतीय कृषि रसायन उद्योग की प्रमुख कंपनियों में से एक, बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे ट्राईफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 10त्न + डिफेनोकोनाज़ोल 12.5त्न + सल्फर 3त्न एससी का उत्पादन करने के लिए पंजीकरण प्राप्त हुआ है। इससे बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड (बीएएल) भारत में ट्राईफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 10त्न + डिफेनोकोनाज़ोल 12.5त्न + सल्फर 3त्न एससी का उत्पादन करने वाली पहली भारतीय कृषि रसायन कंपनी बनेगी।

बीएएल ने बताया कि केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबीआरसी) ने अपनी 447वीं बैठक में यह पंजीकरण इसकी संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सीडलिंग्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को प्रदान किया है। बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड के एमडी, श्री विमल कुमार ने कहा कि ÷हमारी कंपनी को इस पंजीकरण की बहुत प्रतीक्षा थी। वर्षों से बीएएल ने किसान-केंद्रित कंपनी होने की अपनी एक अलग पहचान बनाई है। ट्राईकलर हमारा पेटेंटेड उत्पाद होगा और हम यह विश्वास कि हमारे पेटेंटेड नवीन मिश्रण रोनफेन, जिसने स्न्ङ्क/23 में कम्पनी की ग्रोथ में महत्वपूर्ण योगदान दिया, की तरह ही ट्राईकलर भी भारतीय कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा और इंडस्ट्री में हमारी जगह और मजबूत करेगा उन्होंने कहा कि ÷बीएएल ट्राईकलर को जुलाई में लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने पहले तिमाही में प्रोपाक्वीज़ैफोप और एमिट्रन को प्रॉपिक्यू और अमितो नाम के साथ ही लॉन्च कर दिया है। ये सभी उत्पाद हमें वर्तमान वित्तीय वर्ष में 30त्न की वृद्धि और 20त्न की श्वक्चढ्ढञ्जष्ठ मार्जिन का लक्ष्य बनाए रखने में मदद करेंगे। हम हर वर्ष इन उत्पादों की बाजार भागीदारी बढ़ाते रहेंगे ताकि अधिक लाभ हो सके। ट्राईफ्लोक्सिस्ट्रोबिन और डिफेनोकोनाज़ोल के नए उपचारात्मक और तार्किक मिश्रण का उपयोग एक व्यापक कीटनाशक के रूप में होता है।

धारदार बका लेकर रोड में आने जाने वालों धमकाने पर युवक को पकड़ा

अमरवाड़ा। के नजदीकी ग्राम कोपा खेड़ा में चंचलेश नामक व्यक्ति हाथ में धारदार बका लेकर रोड में आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा की सूचना पर सहायक उपनिरीक्षक केके बघेल प्रधान आरक्षक प्रवीण श्रीवास्तव ग्राम कोपा खेड़ा पहुंचे जहां चंचलेश हाथ में लोहे का धारदार बका लेकर घूम कर लोगों को भयभीत कर रहा था लोगों की काफी भीड़ हो गई थी लोगों की मदद से पुलिस द्वारा युवक को पकड़ कर धारा 25 आर्म्स एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

नाबालिक के साथ किया छेड़छाड़

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम कोपाखेड़ा में 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ ग्राम के ही चंचलेश नरे ने लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया और छेड़छाड़ करने लगा नाबालिक के द्वारा शोर मचाने पर मौके से भाग गया नाबालिक के परिजनों की रिपोर्ट पर थानेदार दीपा ठाकुर भादवि की धारा 363 354 506 एवं 7, 8 पॉक्सो एक्ट मामले को पंजीबद्ध को पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

अवैध देसी शराब बरामद

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत सिंगोडी चौकी के ग्राम लछुआ मैं दुकान लगाकर देसी शराब बेचते हुए गायत्री नामक महिला को उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुश राम आरक्षक प्रियंका ले जाकर धरपकड़ की महिला के पास से 15 पाव देसी शराब बरामद हुई वही साली वाला से हरिओम वर्मा के पास से एक दर्जन से ऊपर देसी प्लेन शराब पकड़ने पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 34 में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

सिंगोड़ी क्षेत्र में फिर पकड़ाया जुआ

अमरवाड़ा। सिंगोली चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सगोनिया से अगर निरीक्षक लगातार जुआ पर चलने की शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा धरपकड़ की गई जिससे जुआ फड़ मैं राधेश्याम बगैरा 3 जुआरियों को पुलिस ने खुलेआम सार्वजनिक रूप से जुआं खेलते हुए दबोच कर 3350 जब तक आप जुआरियों के विरुद्ध 13 जुआ एक्ट में मामले को पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

इलेक्ट्रॉनिकवोटिंग मशीन की प्रथम स्तरीय जांच का कार्य जारी

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग और निर्वाचन पदाधिकारियों म.प्र.भोपाल द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विधानसभा निर्वाचन 2023 के चुनाव कार्य के लिये इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) का कार्य गत दिनों पीडब्ल्यूडी ऑफिस के पास नवीन ईव्हीएम वेयर हाउस में बेल कंपनी बैंगलूर के इंजीनियर्स द्वारा प्रतिदिन प्रात: 9 से शाम 7 बजे तक कराया जा रहा है जो कार्य पूर्ण होने तक चलेगा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले द्वारा इस संबंध में नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करते हुये उन्हें विभिन्न दायित्व सौंपे गये हैं तथा आयोग के निर्देशानुसार उन्हें सौंपे गये दायित्वों को सुचारू रूप से संपन्न करने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रदेश की सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप पाटीः प्रवीण कुमार

छिंदवाड़ा। प्रदेश में घोटाले की सरकार है इसमें भाजपा और कांग्रेस दोनो शामिल हैं सतपुड़ा भवन में आग लगने से साबित होता है कि घोटाले को छुपाने के लिए आग लगाई गई जबकि समय पर फायर बिग्रेड नहीं पहुंची । आम आदमी पार्टी के विधायक और प्रदेश के सहप्रभारी प्रवीण कुमार देशमुख पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रदेश में पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ेगी और सभी 230 सीटों पर प्रत्याशी खड़ा करेंगे और 150 सीट जीतकर सरकार बनाएंगे। उन्होने कहा कि पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल प्रदेश के सभी जिलों में प्रचार करेंगे। ग्वालियर में पार्टी द्वारा महारैली का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्यमंत्री केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान भी शामिल होंगे। उन्होने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि ईडी और सीबीआई लगाकर मोदी की सरकार विपक्ष को खत्म करना चाहती है। और झूठे आरोप लगाकर जेल भेज रही है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को अधिकार दिया और अध्यादेश लाकर केन्द्र सरकार ने संवैधानिक ढांचे को क्षति पहुंचाने का काम किया है।

पंच पद के लिये सारणीकरण के बाद निर्वाचन परिणाम की घोषणा 19 को होगी

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्रीमती शीतला पटले ने बताया कि म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार पंचायतों के उप निर्वाचन 2023 (पूर्वार्ध्द) के अंतर्गत 13 जून को सरपंच व पंच के रिक्त पदों के लिये मतदान संपन्न होने के बाद अब सरपंच पद के लिये विकासखण्ड मुख्यालय पर ईव्हीएम से 17 जून को सुबह 8 बजे से मतगणना होगी और मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की घोषणा की जायेगी। इसी प्रकार पंच पद के लिये मतदान केन्द्र पर मतदान के तुरंत बाद की गई मतगणना का सारणीकरण 19 जून को प्रात: 10.30 से विकासखंड मुख्यालय पर किया जायेगा तथा सारणीकरण के बाद पंच पद के निर्वाचन परिणाम की घोषणा की जायेगी।

माचागोरा बांध से 18 जून को छोड़ा जायेगा पानी

छिन्दवाड़ा। पेंच व्यपवर्तन बांध जल संसाधन संभाग क्रमांक-एक चौरई के कार्यपालन यंत्री श्री एस.के.सिरसाम ने जानकारी दी है कि पेंच व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत पेंच बाध (माचागोरा बांध) के निचले क्षेत्र के स्टॉप डेम से पेयजल एवं निस्तार के लिये बांध के मुख्य द्वार को खोलकर पेंच नदी में 18 जून को दोपहर 12 बजे 18 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जायेगा जिससे पेंच नदी का जल स्तर बढ़ेगा। उन्होंने अपील की है कि बांध के निचले क्षेत्र के ग्रामवासी नदी तट पर नहीं जायें और निचले क्षेत्र में मवेशी, मोटर पंप व अन्य उपयोगी वस्तु नहीं रखें एवं सतर्क रहें ताकि किसी प्रकार की जान-माल की हानि न होने पाये।

छिंदवाड़ा में भाजपा, परासिया में कांग्रेस ने जीता चुनाव

छिंदवाड़ा। नगर निगम छिंदवाड़ा के वार्ड क्रमांक 42 गुलाबरा के उपचुनाव में भाजपा के संदीप चौहान ने कांग्रेस प्रत्याशी राजू स्वामी को 436 वोट से हराया नगर निगम में कांग्रेस महापौर सहित पार्षदों के बहुमत में है और इसके बावजूद चुनाव हार जाना कांग्रेस के लिए तगड़ा झटका है। इसका सीधा अर्थ माना जा रहा है निगम के 10 माह के कार्यकाल में कांग्रेस कोई छवि नही बना पाई चुनाव में दोनो ही दलों ने पूरी ताकत झोंक रखी थी माहौल विधानसभा चुनाव की तरह था गुलाबरा शहर की सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है यहां भाजपा अध्यक्ष और प्रत्याशी संदीप चौहान ने लगातार मेहनत की और उपचुनाव में गुटबाजी का पनपने नहीं दी चुनाव में कांग्रेस के कोई हथकंडे काम नहीं आए जबकि चुनाव में पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, महापौर विक्रम अहके, सहित कांग्रेस संगठन सभापति चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी को जिताने में लगे रहे। घोषित परिणाम के अनुसार भाजपा के संदीप चौहान को 1226 वोट मिले और कांग्रेस के प्रत्याशी राजू स्वामी को 790 वोट मिले इस जीत संदीप चौहान ने कहा कि यह जनता की जीत है हालाकि इस वार्ड चुनाव परिणाम से पूरे प्रदेश में जमकर प्रक्रिया चल रही है नतीजों को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा बोल छिंदवाड़ा की जनता ने छोटे चुनाव में कमलनाथ को बड़ा आईना दिख दिया है। कलेक्टर शीतला पटले ने संदीप चौहान को जीत का प्रमाण पत्र दिया वहीं परासिया नगरपालिका के वार्ड क्रमांक 6 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी पूजा पप्पू मरकाम को जीत मिली।

कमलनाथ के प्रयासों से जिले में स्थापित होंगे विद्युत उपकेन्द्र व ट्रांसफार्मर

करोड़ों रुपयों की लागत से फीडर सेपरेशन व अन्य सुधार कार्य होंगे

छिन्दवाड़ा। शहर मुख्यालय व आस-पास के ग्रामीण इलाकों के साथ ही ब्लॉक मुख्यालय व उनके अंतर्गत आने वाले दूरस्थ अंचल तक व्याप्त विद्युत आपूर्ति की समस्या प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अथक प्रयासों से दूर होगी। खराब ट्रांसफार्मरों के स्थान पर नवीन ट्रांसफार्मर लगाये जावेंगे साथ ही नवीन विद्युत उपकेन्द्रों की स्थापना की जावेगी। पूर्व सीएम कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के प्रयत्नों से पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना के साथ ही फीडर सेपरेशन, 33 केव्ही लाइन का विभक्तिकरण, 33 केव्ही लाइन का इन्टर कनेक्शन, 33 केव्ही लाइन कंडक्टर की क्षमतावृद्धि व केबल बदलीकरण कर लाइन लॉस को कम किया जावेगा। उक्त कार्यों के लिये करोड़ों रुपयों की राशि प्रस्तावित की गई है। उक्त सम्पूर्ण कार्यों पर वितरण हानि कम करने हेतु 289 करोड़ रुपयों की राशि प्रस्तावित है जबकि प्रणाली सुदृढ़ीकरण हेतु 125 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित की गई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर किये जा रहे दौरों के बीच ग्रामीणों के द्वारा खराब ट्रांसफार्मर व नवीन विद्युत उपकेन्द्रों की स्थापना की मांग की जा रही थी। अन्नदाता व अन्य विद्युत उपभोक्ताओं के द्वारा बाधित विद्युत आपूर्ति, बिजली ट्रिपिंग सहित विद्युत ट्रांसफार्मर में क्षमता वृद्धि की मांग की जा रही थी। व्याप्त बिजली समस्याओं को दूर करने हेतु नेताद्वय के प्रयासों से अब (आरआरआरडीएसएस) योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्य पूर्ण किये जावेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के प्रयासों से स्वीकृत इन कार्यों के पूरे होने के उपरांत जिले में बिजली की समस्या से निजात मिलेगा और पूर्ण क्षमता के साथ अबाध्य ढंग से विद्युत आपूर्ति दी जावेगी।

छिन्दवाड़ा वृत्त अंतर्गत आरआरआरडीएसएस योजना से नवीन 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्रों की स्थापना की जावेगी जिसमें पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा के जमुनिया- 1, जुन्नारदेव संभाग के चोरडोंगरी में एक व सांगाखेड़ा में दो, विद्युत वितरण केन्द्र के परासिया संभाग के दमुआमाल में एक, अमरवाड़ा संभाग के पटनिया में एक व ओझलढ़ाना में दो एवं पांढुर्ना संभाग के मोरडोंगरी में एक व सिराठा में दो नवीन उपकेन्द्रों की स्थापना की जावेगी। पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा, जुन्नारदेव, परासिया, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व पांढुर्ना में कुल 89 उपकेन्द्रों में केपेसिटर बैंकों की स्थापना की जावेगी जो 33/11 केव्हीं के होंगे। पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना- अतिरिक्त एवं क्षमतावृद्धि में शहर संभाग छिन्दवाड़ा, पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा, जुन्नारदेव, परासिया, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व पांढुर्ना में कुल 38 नग पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना की जावेगी। योजना के अंतर्गत अमरवाड़ा, चौरई व पांढुर्ना में 33 केव्ही लाइन का 8 नग नवीन फीडर के माध्यम से विभक्तिकरण किया जावेगा। शहर संभाग छिन्दवाड़ा, पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा, जुन्नारदेव, परासिया व चौरई में 33 केव्ही लाइन का इन्टर कनेक्शन 14 नग नवीन फीडर के माध्यम से किया जावेगा सौंसर व पांढुर्ना संभाग में 5 नग नवीन फीडर स्थापित कर 33 केव्ही लाईन कंडक्टर की क्षमतावृद्धि की जावेगी। पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा, जुन्नारदेव, परासिया, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व पांढुर्ना संभाग में 155 नग फीडरों का सेपरेशन किया जावेगा।

11 केव्ही लाइन में यह होगा कार्य

11 केव्ही लाइन के विभक्तिकरण का कार्य पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा, जुन्नारदेव, परासिया, चौरई, सौंसर व पाढुर्ना में किया जावेगा। 11 केव्ही लाइन का इन्टर कनेक्शन का कार्य शहर संभाग छिन्दवाड़ा, पूर्व संभाग छिन्दवाड़ा, जुन्नादेव संभाग, परासिया संभाग, अमरवाड़ा संभाग, चौरई संभाग, सौंसर संभाग व पांढुर्ना संभाग में 36 नग फीडर से किया जावेगा।

खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुये 3 वाहन ट्रेक्टर ट्रॉली जप्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में खनिज विभाग द्वारा अवैंध उत्खनन और परिवहन के विरूध्द लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में खनिज इंस्पेक्टर सुश्री स्नेहलता ठवरे द्वारा खनिज अमले के साथ सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायत की जांच के लिये आज रात्रि में छापामार कार्यवाही करते हुये अवैध उत्खनन करते हुये 3 वाहन ट्रेक्टर ट्रॉली सहित जप्त किये गये ।जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले की तहसील चांद के ग्राम बादगांव और चंदनगांव में छापामार कार्यवाही के दौरान खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुये जप्त किये गये 3 वाहनों को थाना चांद और थाना बिछुआ की शासकीय अभिरक्षा में रखा गया है।

जिला बाल संरक्षण समिति और बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम कोर समिति की बैठक 19 को

छिन्दवाड़ा। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अंतर्गत समेकित बाल संरक्षण सेवायें की जिला बाल संरक्षण समिति और बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम कोर समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आगामी 19 जून को समय सीमा की बैठक के बाद आयोजित की गई है । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने इस बैठक में पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगरपालिक निगम और सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के साथ ही अन्य संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं । इस बैठक में पिछली बैठक के निर्णयों पर कार्यवाही की स्थिति का प्रस्तुतिकरण करने के साथ ही बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण के लिये शक्ति ऐप की लॉन्चिंग, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बाल मित्र पंचायत पहल व पॉक्सो पेटी पहल के क्रियान्वयन की स्थिति और अन्य विभागीय समन्वयन के मुद्दों पर चर्चा की जायेगी।

स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। संचालनालय मत्स्योद्योग मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री मछुआ समृध्दि योजना के अंतर्गत जारी वित्तीय वर्ष में जिले में स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना की जायेगी । इसके लिये 6 स्मार्ट फिश पार्लर को स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें से अनुसूचित जनजाति के लिये 2, अनुसूचित जाति के एक और सामान्य वर्ग के 3 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जायेगा । योजना के अन्तर्गत प्रति स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना के लिये 5 लाख रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है जिसमें से हितग्राही को 10 प्रतिशत राशि अंशदान के रूप में जमा करना होगी । जिले के पात्र इच्छुक हितग्राही आगामी 23 जून को शाम 5 बजे तक अपने आवेदन पत्र सहायक संचालक मत्स्योद्योग कार्यालय में जमा कर सकते हैं । निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आवेदन मान्य नहीं होंगे।सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री राजेन्द्र सिंह ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सभी वर्ग के इच्छुक मछली विक्रेता, स्व-सहायता समूह, मछुआ समूह, मछुआ सहकारी समिति के सदस्य पात्र होंगे। स्मार्ट फिश पार्लर का निर्माण संबंधित ग्राम पंचायत, नगरपालिका परिषद, नगरपालिक निगम के द्वारा किया जायेगा। आवेदक ऐसे स्थान पर ही स्मार्ट फिश पार्लर के निर्माण के लिये आवेदन करें जहां पर प्रतिदिन मत्स्य विक्रय होता है। आवेदक को अपने आवेदन के साथ आधार कार्ड, समग्र आई.डी. और संबधित ग्राम पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगरपालिक निगम का किराये पर भूमि आवंटन का सहमति पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। साथ ही भूखण्ड का किराया एक हजार रुपये प्रति माह देय होगा एवं नियमानुसार संबंधित पंचायत् निकाय के साथ हितग्राही को अनुबंध करना होगा।

पानी की समस्या को लेकर डब्ल्यूसीएल ऑफिस का घेराव

परासिया। इकलेरा में पानी की समस्या को लेकर इकलेरा सरपंच श्रीमती साधना दास द्वारा डब्ल्यूसीएल ऑफिस का घेराव किया गया घेराव करने पर एक लहरा मैनेजर सुनील तिवारी द्वारा तत्काल न्यूटन सवेरिया को सूचना दी गई कि यहां पर ग्रामीण जनों द्वारा घेराव किया गया है पानी की विकराल समस्या है मोटर जले काफी दिन हो गए हैं जिससे कि पानी में बहुत ज्यादा लोगों को दिक्कत आ रही है न्यूटन सवेरिया एजेंट मिश्रा जी न्यूटन सब एरिया मैनेजर पोनेकर तत्काल इकलहरा कॉलोनी ऑफिस पहुंचे वहां पर ग्रामीणों से चर्चा कर निष्कर्ष निकाला गया कि तुरंत में अभी मोटर ठीक नहीं हो पाएगी उसके लिए कुछ वक्त लगेगा ग्रामीण जनों से रूबरू होकर वादा किया गया यह हाल में सोमवार तक मोटर बन जाएगी उसके पहले टैंकर से पानी टंकी में डालेगा जिससे की तुरंत में सॉरी हालत में ग्रामीण जनों को पानी मिल सकेगा तब तक के लिए टैंकर से पानी फिल्टर प्लांट में डालेगा और 3 दिन बाद मोटर बन जाने पर डब्लू सीएल पानी की सप्लाई चालू कर देगी उपस्थित जनों में मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अंसार सिद्दीकी राजेश डेरिया उपसरपंच फखरुल भोला सातपुते सनी सिद्दीकी संजय बंदे वार तौकीर राजा खानवार्ड के समस्त पंच आजाद नगर 4 नंबर कैंप के लोग इंदिरा कॉलोनी की जनतासभी जनता जनार्दन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

14 बसों का काटा चालान, तीन कार पहुंचाई यातायात थाना

छिन्दवाड़ा। सड़कों पर मोटर व्हीकल एक्ट का पालन ना करने वाले वाहन चालकों को भारी जुमार्ना भरना पड़ रहा है । आर टी ओ ने पिछले तीन दिन में 17 वाहनों का चालान कर 42 हजार रुपया बतौर जुर्माना वसूला है । इनमें 14 बस और तीन कार शामिल हैं । आर टी ने यह कार्रवाई छिन्दवाड़ा सिटी सहित उमरेठ - मोरडोंगरी - जुन्नारदेव और अमरवाड़ा से नरसिंहपुर मार्ग पर चेकिंग के दौरान की है । चेकिंग के दौरान उमरेठ - मोरडोंगरी - जुन्नारदेव मार्ग पर दौड़ रही बसों को जब खड़ा करवाया गया तो किसी के पास परमिट नहीं था तो किसी बस में ओवरलोड सवारियां भरी थी । बसों में ना किराया सूची थी ना ही यात्री सुरक्षा के इंतजाम फिर क्या था आर टी ओ मनोज तिहनगुरिया ने बस के चालक - परिचालक को ना केवल फटकार लगाई बल्कि उन्हें मोटर व्हीकल एक्ट की छुट्टी पिलाकर वाहनों का चालान काटा है । इस मार्ग पर 6 बसों पर कार्रवाई की गई है ।

41 वाहनों का चालान काट

अमरवाड़ा। नगर निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले थानेदार ओपी सानोडीया, दीपा ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक रजनीश सोनी, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र शर्मा, आरक्षक नरेंद्र ,वासु, महेश ,मनीष सानोडिया, राजू भारती एवं पुलिस स्टाफ अमरवाड़ा ने मेन रोड अमरवाड़ा पर बिना हेलमेट लगाए मोटरसाइकिल चलाने वाले 41 चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा में चालान कर रू.13,100 शमन शुल्क वसूल किया।

कमलनाथ को नहीं पता इस भूभाग का नाम है गोंडवाना

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रदेश स्तर नहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव रखती है

छिंदवाड़ा। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार नागवंशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने विगत समय में मध्य प्रदेश ,छत्तीसगढ़ ,महाराष्ट्र में अपने विधायक बना चुकी है और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र में जिला पंचायत जनपद पंचायत ग्राम पंचायत नगर पंचायत के अध्यक्ष उपाध्यक्ष सदस्य सहित काबिज है । कमल नाथ की झल्लाहट से साफ जाहिर होता है, कि वह पार्टी को तोड़ने के लिए कई समानांतर संगठनों को पोषित करते हैं ।और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी मैं बिखराव करने की हर वह कोशिश करते हैं ताकि उनका और उनके परिवार का दबदबा और रसूख लगातार छिंदवाड़ा में बना रहे रही बात गोंड समाज की तो इसी समाज की बदौलत कमलनाथ सांसद बने विधायक बने मुख्यमंत्री बने इसी छिंदवाड़ा से कमलनाथ की पत्नी अलका नाथ सांसद बनी आज उनका बेटा नकुल नाथ छिंदवाड़ा जिले से सांसद है अब पता चला है कि अब बहू को सांसद बनाने की फिराक में कमलनाथ हैं ।खुद कमलनाथ के चार रिश्तेदार छिंदवाड़ा जिले में नहीं है फिर वह गोंडवाना और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को नीचा दिखाने का बयान दे रहे हैं । उनके मुंह से इस उम्र में इस प्रकार की शब्दावली शोभा नहीं देती और उन्होंने पत्रकारों की बेइज्जती की पत्रकारों से अभद्रता की तुम मुझे सिखाओगे की गोंडवाना क्या है ,इस प्रकार की भाषा का उपयोग कमलनाथ कि किसी खिसियाहट को प्रदर्शित करता है । कहीं ना कहीं समय आने पर पार्टी का एक एक सिपाही बता देगा कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी प्रदेश स्तर में है या नहीं आने वाला विधानसभा चुनाव बता देगा दादा हीरा सिंह मरकाम के सच्चे सिपाही कमलनाथ के बयान का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं । कमलनाथ ने हमेशा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के कई संगठनों में बांटकर इन समुदायों का उपयोग किया है इस बात को आज का पढ़ा लिखा युवा जानने लगा है तो निश्चित ही इनकी नींद हराम होने लगी है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

अमरवाड़ा विधानसभा ने किया टिफिन सहभोज

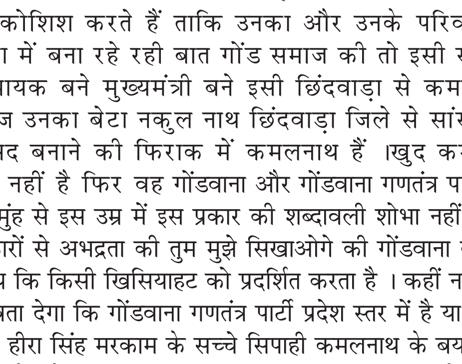

छिंदवाड़ा/अमरवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा अमरवाड़ा के सालीवाडा शारदा मंदिर में संपन्न हुई टिफिन सहभोज अमरवाड़ा से 7 किलोमीटर दूर मां शारदा देवी मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी की विधानसभा स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की टिफिन बैठक लोकसभा विस्तारक अशोक यादव जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी और अमरवाड़ा विधानसभा के साथ मंडल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता मंडल के अध्यक्ष,मंडल के पदाधिकारी मोर्चा के अध्यक्ष एवं मोर्चा के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक मां शारदा देवी के प्रांगण में आयोजित हुई उक्त बैठक में टीकाराम चंद्रवंशी ने स्वागत उद्बोधन में सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत वंदन किया और मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के विषय पर सभी को बताया और कहा कि लाडली बहना योजना में मध्यप्रदेश सरकार ने 1000 प्रत्येक बहना के खाते में डाला है और जो बहने ट्रैक्टर वालों के परिवार से आती थी अब उन बहनों को भी और 21 से 23 वर्ष की बहनों को भी अब शासन की इस योजना का लाभ 1000 के रूप में मिलेगा और किसान भाइयों को मध्य प्रदेश सरकार 4000 किसान सम्मान निधि के रूप में देती थी इसे शिवराज सिंह चौहान ने बढ़ाकर 6000 रू. कर दिया है इस प्रकार 2000 रू. की बढ़ोतरी किसान सम्मान निधि में की गई है अब किसानों को कुल 12000 रुपए मिलेंगे। अशोक यादव ने विधानसभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं युवा कार्यकर्ताओं से संवाद किया कि हम विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव किस प्रकार से जीते इस पर अपने अपने सुझाव संवाद के माध्यम से लिए और सुझाव के उपरांत यादव ने हम सभी को घर घर जाकर मोदी की और शिवराज सिंह चौहान जी की सरकारों के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को प्रचार प्रसार करें उन्हें बताएं कि आपने इस योजना का लाभ लिया है जो हमारे प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के द्वारा चलाई जा रही है यादव ने लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव किस प्रकार से हमें जीतना है इसके भी गुण कार्यकर्ताओं को बतलाए सबसे पहले उन्होंने कहा बूथ जीता चुनाव जीता हमें अपने बूथ पर फोकस करना है अशोक यादव ने कहा कि हमारा लोकसभा और विधानसभा चुनाव जिताने का लक्ष्य है। को हम सब मिलकर हर हाल में पूरा करेंगे ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में स्वयंसेवी संस्था केयर एंड क्योर सोशल फाउंडेशन के सदस्यों और पौधरोपण कर अपना जन्मदिन मनाने वाले पर्यावरण मित्रों के साथ नीम, आम और मौलिश्री के पौधे लगाए।

छाया: जगदीश कौशल।

चार दिवसीय तुलसी समारोह शुरू

भोपाल। मानस भवन में आज से तुलसी समारोह का आयोजन शुरू हो गया है। इस तुलसी आयोजन में हमारी आध्यात्मिक चेतना में रामचरित मानसविषय पर वक्तव्य होंगे इस आयोजन में तुलसिवदास की रचनाओं पर वैशाली गुप्ता और साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

हमारी आध्यात्मिक चेतना में रामचरित मानस वक्तव्य इन्दुशेखर तत्पुरुष, ओम निश्चल, ज्योतिष जोशी द्वारा किया जायेगा। इसकी अध्यक्षता पूर्व आईएएस मनोज श्रीवास्तव करेंगे। तुलसीदास का लोकमंगल पर वक्तव्य हरिशंकर मिश्र, श्रीराम परिहार, कुमार अनुपम, प्रिया वर्मा दिया जायेगा। संदीप शर्मा द्वारा तुलसीदास की कवितावली के पदों का गायन सायं 7.40 बजे किया जायेगा वहीं पण्डित राम देशपाण्डे द्वारा तुलसीदास की रचनाओं का गायन होगा।

18 जून को महाप्राण निराला की कविता– तुलसीदास का पुनर्पाठ, भक्तिकाल और तुलसीदास वक्तव्य, दोपहर में भारतीय संस्कृति और तुलसी की कृतियाँ वक्तव्य, तुलसी महिमा पर व्याख्यान, तुलसी गायन, सितार पर तुलसी की रचनाओं की प्रस्तुति, तुलसीदास की भक्तिचेतना वक्तव्य, तुलसीदास का काव्य, तुलसी की रचनाओं पर केन्द्रित कवक प्रस्तुति, भरतनाट्यम आधारित रामकथा की प्रस्तुति, 20 जून को फिल्म तुलसीदास का प्रदर्शन, आल्हा शैली में तुलसी चरित का गायन, धुपद वृन्द युपद शैली में तुलसी की रचनाओं का गायन (गुरुकुल, धुपद संस्थान, भोपाल की प्रस्तुति) प्रमुख रहेगी।

मप्र में बिपरजॉय का असर: ग्वालियर-चंबल में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। गुजरात में भारी तबाही मचाने वाले बिपरजॉय तूफान का मध्यप्रदेश में 21-22 जून तक असर देखने को मिलेगा। हालांकि, शनिवार से ही तूफान आंधी-बारिश कराएगा। राजस्थान से सटे कई हिस्सों में आंधी-बारिश होने का अनुमान है, जबकि 18-19 जून को ग्वालियर-चंबल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इसके बाद प्रदेश के पूर्वी हिस्से भी भीगेंगे। टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, रीवा और सतना में 20-21 जून को बारिश होगी। कहीं-कहीं तेज या भारी बारिश हो सकती है। 22-23 जून को भी प्रदेश में मौसम बदला सा रहेगा। इसी बीच मानसून की एंट्री भी हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार बिपरजॉय का असर मध्यप्रदेश के इलाकों में भी रहेगा। नीमच, मंदसौर, बड़वानी, रतलाम, झाबुआ और अलीराजपुर में 17 जून को बूंदाबांदी हो सकती है। साउथ वेस्ट मध्यप्रदेश के इलाकों में शनिवार को यह दस्तक देगा। तूफान जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, इसकी तीव्रता में कमी आएगी। लो प्रेशर एरिया के चलते असर दिखाई देगा। इसके चलते ही 18 और 19 जून को पश्चिमी इलाकों में असर रहेगा। ग्वालियर और चंबल संभाग में कहीं तेज तो कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। यहां के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद पूर्वी इलाकों में भी बारिश और तेज हवा होने की संभावना है। इनमें टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, रीवा-सतना में 20-21 को बारिश होगी। कहीं-कहीं तेज या भारी बारिश हो सकती है।

बिपरजॉय के कारण बढ़ेगी हवा भी तेज चलेगी

बिपरजॉय की वजह सेहवा की रफ्तार भी बढ़ जाएगी। शुक्रवार से ही हवा की रफ्तार बढ़ हुई रही। सीहोर में 44द्मद्व, शिवपुरी में 42द्मद्व, नीमच में 39द्मद्व, गुना में 39द्मद्व, बड़वानी में 34द्मद्व, सागर में 40द्मद्व, मंडला में 38द्मद्व, बालाघाट में 36द्मद्व और सिवनी में 33द्मद्व प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। शनिवार को 50द्मद्व प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। ग्वालियर-चंबल में यह रफ्तार ज्यादा रह सकती है।

गर्मी का असर कम, दिन के पारे में गिरावट

तूफान ने प्रदेश से सारी नमी खींच ली थी। दूसरी ओर राजस्थान गर्म था। इसके चलते मध्यप्रदेश में भी गर्मी का असर रहा था। चूंकि, तूफान राजस्थान में एंटर कर चुका है। यहां बारिश का दौर भी चल रहा है, इसलिए यहां से ठंडी हवाएं आ रही हैं। इसके चलते शुक्रवार को दिन के तापमान में मामूली गिरावट हुई है। शुक्रवार को रीवा, नरसिंहपुर, शिवपुरी सबसे गर्म रहे। यहां तापमान 42 डिग्री या इससे ज्यादा रहा। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के 17 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री या इससे ज्यादा रहा। इससे पहले खजुराहो समेत कई शहरों में दिन का पारा 43-45 डिग्री तक पहुंच गया था।

बजरंग दल पिटाई मामले में डीसीपी को लूप लाइन में भेजा

इंदौर। पलासिया चौराहे पर गुरुवार रात को हुए बजरंग दल कार्यकर्ताओं के बवाल और चक्का जाम के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करके चक्का जाम खत्म किया था। लेकिन, सरकार ने इसे पुलिस की बर्बरता माना और पलासिया थाने के ञ्जढ्ढ संजय बैस के बाद अब झोन-3 के डीसीपी धर्मेंद्र भदौरिया को भी हटा दिया। उन्हें सेनानी, आरएपीटीसी इंदौर में लूपलाइन में भेजा दिया गया।

पुलिस ने भी बजरंग दल के अज्ञात 250 कार्यकर्ताओं के खिलाफ बलवा सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया है। उधर, विश्व हिंदू परिषद ने शासन से पांच पुलिस अधिकारियों को हटाने की मांग की है। इसमें धर्मेंद्र भदौरिया के साथ एसपीसी पूर्ति तिवारी, टीआई संजय बैंस के साथ टीआई तहजीब काजी, टीआई संतोष यादव को भी हटाने की मांग की गई। इसके लिए 48 घंटे का समय दिया गया है। हिन्दू संगठनों ने चेतावनी दी है कि ऐसा नहीं हुआ तो हम फिर हर थाना घेरेंगे।

शोभा ओझा को मीडिया की कमान और इंदौर में चार कार्यकारी अध्यक्ष

भोपाल। विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी में आपसी झगड़े, गुटबाजी और सिंधिया फैक्टर से जुड़ी खबरें रोज सुनने में मिल रही है। जबकि, कांग्रेस से निकली खबरों में आपसी खींचतान और खुद के फायदे की उड़ाई हुई खबरें हैं। कांग्रेस इस मुगालते में है कि सत्ता की चाभी उसके हाथ में आ ही गई। यही कारण है कि कांग्रेस के ज्यादातर नेताओं का व्यवहार भी इसी तरह का होने लगा, जैसे उन्होंने सरकार बना ली और अब बस पांच साल राज करना है।

खबरों के बाजार में कांग्रेस से जुड़ी कई तरह की बातें सुनने में आ रही है। नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह को कमलनाथ के भविष्य का मुख्यमंत्री बताए जाने पर नाराजी ऐसी ही उड़ाई हुई खबरें हैं, जो बाजार गर्म कर रही है। ताजा खबर यह है कि कांग्रेस के मीडिया विभाग में बड़ा फेरबदल किया जाने वाला है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा को हटाकर फिर मीडिया की कमान शोभा ओझा को सौंपी जानी है। ऐसा क्यों हो रहा है और केके मिश्रा को क्यों हटाया जाने वाला है, इस बात का जवाब किसी के पास नहीं। खबरों के बाजार की सुर्खी है कि शोभा ओझा को मीडिया की कमान सौंपी जाना है।

हर पार्टी में मीडिया पर सवारी करने का लोभ सभी नेताओं को होता है। लगता है शोभा ओझा को भी मीडिया प्रभारी की कुर्सी आकर्षित कर रही है। जबकि, पिछले चुनाव (2018) में वे ही मीडिया इंचार्ज थी और इस वजह से उन पर कई तरह के आरोप भी लगे थे। इन आरोपों में एक गंभीर मामला खास तरह की गड़बड़ी का भी था, जो लंबे अरसे तक सुर्खियों में रहा। शायद यही कारण है कि यह खबरें उड़ी या जानबूझकर उड़ाई गई। क्योंकि, चुनाव में मीडिया मैनेजमेंट एक महत्वपूर्ण काम होता है और उसके लिए सभी 'उपाय' किए जाते हैं। नेता को व्यक्तिगत रूप से ये फायदा होता है कि उसके मीडिया से सीधे संबंध बन जाते हैं। शायद इसीलिए हर नेता चाहता है कि वह इस कुर्सी पर सवार हो जाए। इस पर प्रतिक्रिया देने वालों का कहना है कि शोभा ओझा को लेकर साढ़े चार साल तक ऐसी ख़बरें क्यों नहीं उड़ी!

इंदौर में चार कार्यकारी अध्यक्ष की सुर्खी– एक गर्मागर्म खबर यह भी है कि इंदौर में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष के खाली पद पर चार कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जा रहे है। बाजार में खबर छोड़ने वालों ने तो उनके नाम भी तय कर दिए। इनमें एक नाम उस नेता का भी सामने आया नो विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कमर कसकर तैयार है। सोशल मीडिया पर स्पांसर्ड पोस्ट डालकर खुद को नेता साबित करने की कोशिश कर रहा है। आश्चर्य की बात यह कि नगर अध्यक्ष को छोड़कर सबके नाम सामने आ गए। जबकि, कांग्रेस के जिम्मेदार नेताओं ने इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं की, कि ऐसा कुछ हुआ है या होने के कोई आसार हैं।

दरअसल, इस सबके पीछे कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को ही जिम्मेदार माना जा सकता है। सभी को लग रहा है कि बस अब सरकार आने ही वाली है तो क्यों न अभी से जमावट कर ली जाए। शोभा ओझा का मीडिया इंचार्ज बनाया जाना और केके मिश्रा को हटाए जाने के साथ इंदौर में चार कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाना की बात कहीं बाहर से नहीं, बल्कि कांग्रेस के अंदर से निकलकर बाजार में पसरी बातें हैं।

बागेश्वर धाम में फिर मिला नग्न अवस्था में शवपहचान करने में जुटी पुलिस, एक सप्ताह में यह दूसरा मामला

छतरपुर। छतरपुर जिले के बमीठा थाना क्षेत्र स्थित विश्व विख्यात बागेश्वर धाम (गढ़ा गांव) में एक बार फिर अज्ञात शव मिला है। उक्त शव नग्न अवस्था में मिला है जो संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। यहां धाम पर आए दिन अज्ञात शव मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। अब अज्ञात व्यक्ति का नग्न अवस्था में शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक गांव के उसपाल सिंह के खेत के कुंआ के पास आम के पेड़ के नीचे उक्त शव मिला है। मृतक नग्न अवस्था में उल्टा पेट के बल पड़ा हुआ है। मृतक की उम्र लगभाग 30 से 35 साल बताई जा रही है। जिसकी अब तक शिनाख्त/पहचान नहीं हो सकी है। तो वहीं घटना और मामले की जानकारी मिलने पर बमीठा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिये भिजवाया। साथ ही शव की पहचान करने के साथ मामले की जांच करने में जुट गई है।

11 जून को दिल्ली के व्यक्ति का शव मिला था– बता दें कि हाल ही में 11 जून को धाम में एक दिल्ली के व्यक्तिगत का शव मिला था। इस तरह शव मिलने की घटनाएं लगातार घट रहीं हैं। बागेश्वर धाम ऐसा स्थान है जहां देश भर से दूरदराज और देश-विदेश से श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। और इस तरह की घटनाएं के सवाल खड़े करती हैं।

ऊर्जा मंत्री के भाई की हत्या की कोशिश, शराब पार्टी करने से रोका तो गाड़ी चढ़ाने की कोशिश

ग्वालियर। ग्वालियर के पुरानी छावनी इलाके में प्रदेश के मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के भाई की हत्या की कोशिश की गई है। आरोपित कार में सवार होकर आए थे, इन लोगों ने उन पर गाड़ी चढ़ा कर उसे मारने की कोशिश की। उन्होंने कार सवार युवकों को सड़क पर शराब खोरी करने से रोका था। इस घटना के बाद पूरी रात आरोपितों की तलाश में पुलिस उनके घर से लेकर शहर में अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देती रही। पांच आरोपित दबोच लिए गए हैं। पुरानी छावनी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर तीन और आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा ने बताया कि पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ऋतुराज होटल के संचालक बबलू तोमर रात को होटल पर मौजूद थे। जोगेंद्र पुत्र महेंद्र सिंह पाल निवासी इंद्रा नगर, चार शहर का नाका होटल पर काम

करते हैं। ऋतुराज फैमिली रेस्टोरेंट है। यहां कई परिवार रात को मौजूद थे। इस दौरान स्कॉर्पियो और एलेंजर कार में सवार युवक बर्थडे पार्टी मना रहे थे और शराब खोरी भी कर रहे थे। बबलू और यहां काम करने वाले स्टाफ ने जब इन्हें रोका तो यह हमलावर हो गए।

बबलू पर इन लोगों ने तीन बार कार चलाने की कोशिश की, लेकिन किस्मत से वह बाल-बाल बच गए। आरोपितों के नाम दिलीप राठौर, प्रवीण राठौर, राजेंद्र उर्फ भूरा राठौर, भूरा कंसाना, कुलदीप राठौर, संजय राठौर बताए गए हैं। सभी लोग मुरैना के रहने वाले हैं। इसके बाद तो होटल के आसपास मौजूद लोग भी यहां आ गए। आरोपित यहां से भाग निकले। तुरंत ही लोगों ने 100 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुरानी छावनी थाने की फोर्स यहां पहुंच गई। पुरानी छावनी थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। रात को दबिश में पुलिस ने 5 आरोपितों को पकड़ लिया।

तीन माह हुए भूमि पूजन को, नहीं हुआ काम शुरू

विश्वकर्मा नगर की सड़के हुई बदहाल, निकालना हुआ दूभर

भोपाल। राजधानी में नरेला क्षेत्र के विश्वकर्मा नगर की सड़को की स्थित खराब है। यहां पर दो बार सड़कों का भूमि पूजन हो चुका है उसके बाद भी सड़कों का नवीनीकरण कार्य शुरू नहीं हुआ है। जनता परेशान हो रही। राजधानी के जनप्रतिनिधि वैसे तो भूमि पूजन के मामले में प्रदेश में सबसे आगे हैं। विगत तीन माह में देखा जाए तो शहर के सभी क्षेत्रों में प्रतिदिन दिन एक न एक सड़क का भूमि पूजन होता रहा है। जिसके समाचार खूब छपवाए जाते हैं लेकिन जब भूमि पूजन के कार्य को मूर्त रूप देने कि बात आती है तो या तो बजट खत्म हो जाता है या फिर जनता को आश्वासन दिया जाता है। यही स्थिति नरेला विधान सभा क्षेत्र का है। यहां के विश्वकर्मा नगर की मुख्य मार्ग का भूमि पूजन जनप्रतिनिधियों द्वारा विगत तीन माह पहले किया गया था। जिससे की सड़क का नवीनीकरण हो सके और जनता को इन गड्डे नुमा सड़क से राहत मिल सके। लेकिन तीन माह होने के बाद भी कोई सुध नहीं ली गई। स्थिति यह है कि सड़क की पहले से और अधिक स्थिति खराब है। जबकिव्य इस कॉलोनी का मुख्य मार्ग है। यहां की नालियां तक जाम हो चुकी हैं।

शिव महापुराण कथा के दौरान की गई खुदाई– वजन के रहवासी देवकी नंदन ने बताया कि इस क्षेत्र में प्रदीप मिश्र जी का कथा हुई थी इस दौरान सड़क की जेसीबी से खुदाई कर गड्डो का समतली करण किया गया। क्यों कि इस मार्ग से ही हजारों भक्तों का निकलना हुआ। यहां के लोगों को लगा था कि कथा के दौरान शायद सड़क का कार्य हो जाए। लेकिन नहीं हुआ।

नाली हुई जाम, सड़कों पर भरा पानी– सड़क के समतली करण से एक दो दिन तो राहत मिली लेकिन सड़क समतलीकरण के दौरान यहांकी नालियां बंद हो गई जिनका पानी अब सड़कों पर भरा हुआ है। जिससे गंदगी और बदबू फेल रहीं है। वहीं बीमारी फैलने का रहवासियों में भय बना हुआ है।

बरसात में होगी जनता परेशान– दो से तीन दिन में प्रदेश में बारिश शुरू होने वाली है। वहीं सड़क की खुदाई होने से मलबा फेला हुआ है। जो बारिश के दौरान कीचड़ में तब्दील हो जाएगा।उस स्थिति में यहां की जनता का पैदल निकलना भी मुश्किल होगा। वहीं दोवपहिया वहां चालकों के से दुर्घटनाएं बढ़ेंगी।

वन कर्मचारियों शस्त्र वापसी आंदोलन के 9 माह पूरे

मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

भोपाल। प्रदेश के वन कर्मचारियों ने 16 अगस्त 2022 को बंदूक चलाने का अधिकार, शस्त्र का लाइसेंस एवं शहीद का दर्जा देने सहित 5 सूत्रीय मांग को लेकर शुरू यह गए स्वस्थ वापसी आंदोलन को 9 माह पूरे हो गए शस्त्र वापसी आंदोलन में वन कर्मचारियों ने वन विभाग द्वारा वन कर्मचारियों को दी गई सरकारी बंदूक एवं रिवाल्वर वन विभाग को विरोध स्वरूप वापस जमा करा दी थी और सरकार से चेतावनी ज्ञापन सौंपकर मांग कर की थी कि जब तक सरकार वन कर्मचारियों को शस्त्र चलाने का अधिकार, शस्त्र का लाइसेंस एवं शहीद का दर्जा सहित पांच सूत्रीय मांगे पूरी नहीं करेगी जब तक प्रदेश के वन कर्मचारी शस्त्र वापसी आंदोलन जारी रखेंगे और सरकारी बंदूकें एवं रिवाल्वर वापस नहीं लेंगे 16 जून 2023 को वन कर्मचारियों के शस्त्र वापसी आंदोलन के 9 माह पूरे हो गए हैं लेकिन सरकार ने आज तक वन कर्मचारियों की मांग पर मंजूरी की मुहर नहीं लगाई है आज मध्य प्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आंदोलन के 9 माह पूरे होने पर मुख्यमंत्री को 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और मांग की कि कर्मचारियों को शस्त्र चलाने का अधिकार शस्त्र का लाइसेंस एवं शहादत पर शहीद का दर्जा सहित पांच सूत्रीय मांगे पूरी की जाए मुख्यमंत्री ने वन कर्मचारी मंच के प्रतिनिधियों को मांगों पर शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

मध्यप्रदेश वन कर्मचारी मंच के प्रांतीय अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि प्रदेश के 5000 वन कर्मचारियों ने शस्त्र वापसी आंदोलन के तहत अपनी सरकारी बंदूक एवं रिवाल्वर वन विभाग में जमा करा दी है और शस्त्र वापसी आंदोलन को निरंतर जारी रखे हुए वन कर्मचारी सरकार से वन कर्मचारियों को पुलिस विभाग के समान वेतनमान एवं अधिकार, पुरानी पेंशन बहाली, शस्त्र चलाने का अधिकार एवं शस्त्र का लाइसेंस वन कर्मचारी की शहादत पर शहीद का दर्जा वन रक्षकों को 2400 ग्रेड पे का लाभ एवं 5680 का वेतनमान वन विभाग के स्थाई कर्मियों को बनवीर के पद पर नियमित नियुक्ति, वन सुरक्षा स्वयं को कलेक्टर दर का वेतन ईपीएफ सुविधा की मांग कर रहे हैं जब तक मांगे मंजूर नहीं होंगी तब तक वन कर्मचारी शस्त्र वापस नहीं लेंगे निहत्थे वनों की रक्षा करेंगे मुख्यमंत्री से मिले प्रतिनिधिमंडल में अशोक पांडे, हरि सिंह गुड्डू, लव प्रकाश पाराशर, राकेश वर्मा, प्रेम लाल त्रिपाठी आदि शामिल थे।